

शशिमौलि ॥

जिसमें

श्रीमहादेव व पार्वती के व्याह चरित्र चित्तानन्दीय शिवभक्तिसम्मिलित अनेक प्रकार के रागों में वर्णित हैं

जिसको

बँभनीपारग्राम निवासी कायस्थवंशावतंस शिवभक्तिरत श्री लखपतिराय ने श्री शिवपार्वती चरणाब्जभ्रमर पुरुषों के आनन्दार्थ अतिवपरिश्रम व भक्त्युद्गारता से निर्मित किया

प्रथम बार

लखनऊ

मुन्शी नवलकिशोर (सी, आई, ई) के छापेख़ाने में छपी

दिसम्बर सन् १८८९ ई० ॥

भूमिका ॥

दो० बिघन हरण गणपतिसदा गुणनिधान बुधिराश ॥
भक्ति नेह अरु ज्ञानको निर्मल देहु प्रकाश १

बिदितहो कि मैं शिवसेवक लखपतिराय कायस्थ श्रीबास्तम वल्द दुर्गाप्रसाद बँभनीपारगाउँ का निवासीहूँ–संयोगवश मेरेपिता अपने नानाकेघर मौजेकाकोरीमें आकररहे–फिर मेरेपिताकाब्याह कस्बा मलिहाबादमें लालाहुकूमतराय व गुलाबरायके यहांहुआ–समयपाय तीनिपुत्र पैदाहुये–बड़ेपुत्र मेरेजेठेभ्राता रघुनाथप्रसाद और उनसे छोटा मैं और मुझ से छोटे माताप्रसाद–बहुतकाल मैं-शहरलखनऊ मुहल्ला मोलवीगंज में रहा और वहीं से महाराज काशीप्रसाद रियासत सँसेड़ी का नौकर होगया–फिर मैं सँसेड़ी में रहनेलगा–अक्सर मैंने गोसाइयोंके मुखसे बहुत बार शिवव्याहसुना परन्तु कुछभासित न हुआ तब चित्तमें अनुमान व शिवचरणारबिन्दों का ध्यान कर यह शिव पार्वती व्याह अपनीमत्यनुसार अनेकप्रकारके रागोंमें वर्णनकिया और इसपुस्तककानाम शशिमौलिरक्खा–आशा है कि जो शिवभक्ति रत पुरुष इस पुस्तक को अवलोकन करैंगे वहमेरीभूल चूकको क्षमाकर केवल अनुरागकी ओर दृष्टि देकर मुझको दोष न देंगे और आनन्दपूर्बक शिवपार्वतीचरित्र पठनपाठन कर–अन्त में कैलासवासभागी होंगे ॥

——❋——

शशिमौलि ॥



दोहा ॥

विघनहरनमंगलकरनशुभगुणसदनउदार ॥
बन्दौंगणनायकचरण जो दायकफलचार १

पदराग ॥ जैगिरिजासुतविघनबिनासन। मंगलकरन अमंगलगंजन कुबुधिबिभंजनसुबुधिप्रकासन॥ शुभगुणसदनमदनरिपुनंदन सबजगबंदनस्वबसबिलासन। विद्याछोभछकेचतुरानन साचकलखिमोहेगरुड़ासन॥ लंबोदरषटबदनसहोदर परमकृपामंदिरमुखकासन। मांगतबरशशिमौलिविनयकरि देहिंउमायुतदरशवृषासन १ भजुशिवसुवनभवानीनंदन। लंबोदरमृदुमंजुलमूरतिचारुचतुरभुजविघननिकंदन॥ विद्यासागरशीलउजागरशुभगुणसदनसकलजगबंदन। सहजौध्यानधरतजोवाकोफिरिनपरतभवभ्रमकेफंदन॥ जाकोनामसुमिरिमंगलमय पाईसुमतिमहामतिमंदन। ताकीकरुशशिमौलिविनयतूमिलिजैहैंशिवसेवकवृंदन २ लंबोदरदुखहरनहमारे। सिद्धिसदनशतकोटिमदनद्युतिएकरदनगजबदनसँवारे॥ सुखदतेजतनचारुचतुरभुजचरणाम्बुजरुजनाशनहारे। करुणानिधिविद्याबुधिवारिद

मोदकप्रियमुदमंगलकारे॥ षटमुखबंधुविमलबरदायक सबलायककहैंवेदपुकारे । गणनायकहरदाससहायकशैलसुतात्रिपुरारिदुलारे ३॥ राग ॥ मनभजुभवानीनंदनै। मानतजिधरिध्यानउरबिचआनुविघ्ननिकंदनै ॥ नाम जाकोसुमिरिसाचकभावसनकसनंदनै । होतिजबजहँ कथासुनिरबिरोकिराखतस्यंदनै ॥ करतिशुभसंहरनसंशयहरतभवभ्रमफंदनै । बिपतिनहिंशशिमौलिताकहँ भजतजोजगबंदनै ४॥राग॥ हैगननायकविघनाबिभंजन । एकरदनगजबदनमदनद्युतिमंगलसदनअमंगलगंजन॥ विद्याब्याहउपवीतस्थापनगृहप्रवेशअरुतीरथमंजन । येसबकाजसुफलतबहींतोहिप्रथमनमतजोतवपदकंजन ॥ शिवपथगूढ़परैलखिताकहँसूझैशुभगुणमुनिमनरंजन । जोशशिमौलिलगावतनैननतुवपदरजमृदुमंजुलअंजन ५ ॥ बंदनाश्रीगुरुदेवजी ॥ पदराग ॥ गुरुपदपंकजरेणुसोहाई । देनअखिलकल्यानपदारथमंगलकरनहरनदुचिताई ॥ दृगनलगायेसूझतशुभगुणशीशचढ़ायेबढ़तबड़ाई । राखैरंचरुचिररसनाजोकंठबसैशारदतेहिआई ॥ उरअस्परसकरैजोकोईविद्याबुधिउपजैसमुदाई । भुजदंडनधारैजोनिशिदिनहोइप्रबलप्राक्रमअधिकाई ॥ तेजप्रतापबढ़ैसुमिरतखनअवलोकतदृगदोषनशाई । धरुशशिमौलिध्यानतेहिरजकोजोचाहैशिवभक्तिदृढ़ाई ६ जोकोउगुरुचरणनअनुरागै । गोपदतुल्यतरैभवसागरतनकबिलंबनलागै ॥ होयउदयउरगगनज्ञानरबिमोहमहानिशिभागै । मिटिजावैअज्ञान

अँधेरोरजुभुवंगभ्रमत्यागै ॥ भ्रातासुतपरिवारप्रीतिर समनकबहूंनहिंपागै । जगब्योहारस्वप्नवतजानैजनु सोवततेजागै ॥ अनहदसुखइच्छाफलजितनोएकौताहि नखागै। प्रानायामआसनमुद्रापुनिउतरैत्रिकुटिप्रयागै ॥ गगनगुफापावैशिवदरशनप्रेमपलकमनठागै। जनशशि मौलिसयानासज्जनभक्तिबिमलबरमांगै ७ गुरुपदपंकज प्रीतिलगावौ । जिनकीकृपादेवदुर्लभसुखसहजउपायन पावौ ॥ देहनमेंनरदेहमिलैतोहिबरएनबीरकहावौ । आ श्रममेंसंन्यासगहनिगहुशिवह्वैशिवपुरजावौ॥बैठोबिम लबिटपमंडफतरशिवबनबागमझावौ। मुंडमालगजखा लबिभूषणभालबिभूतिरमावौ॥ भूखप्यासआलसअन खादिकदेहाभ्यासभुलावौ । सप्तसुरनशशिमौलिसोहंक रिशृंगीनादबजावौ ८ गुरुमहिमापावैकोपार । शारद शेषसकलसुरनरमुनिभाषैंज्योंज्योंबार ॥ गणपतिसम शुभगुणकोआगरहरिसमसतगुणसार । भानुसमानप्र तापप्रगटजगशिवसमसहजउदार ॥ ब्रह्मासमवेदनको बकताशीतलशशिअनुहार । सुरपतिसमजनपरकरैदा यानिरखतनयनहजार ॥ धुंधसमानदीनकोदातानिर्मल गुणआगार । मदनसमानमंत्रमूरतिसोबशाकियोसबसं सार ॥ बागेश्वरसमबिद्यावारिदमुनिसमसृष्टिअपार । धन्वन्तरिसमज्ञानौषधिसोभवरुजनाशनहार ॥ समता योगनसुरकाहूबिधिबरन्योकिब्योहार।जनशशिमौलि सगुनधारेतनहैअब्ययअबिकार९ ॥ राग ॥ बन्दौंगुरुचर णारबिन्द । हरसदृशजाहिबरणैकबिन्द ॥ इनगगनगु

फाकीन्हयोनिवास। उनवृन्दाबनकियोबिमलवास॥ इ-नकीन्हसुजनयमत्रासनास। उनकीन्हअभयसुरमहिमुनिन्द॥ अमतमहरनीइतिज्ञानधूप। उतअसुरपतिततगणादिव्यरूप॥ इतशिष्यकमलअरुरबिअनूप। उतग्वालउडुगबिचअमलइन्द॥ इतमंत्रनमोहेसाधसन्त। उतबांसुरिलोभेजीवजन्त॥ इनकाबूकियोइन्द्रीस्वतंत्र। कियोनिजवशअवनिकालीफनिंद॥ दोउएकप्रकृतिएकेस्वभाव। जनदीननपरसमतुल्यचाव॥ तातेतजिभेदइरषादुराव। शशिमौलिकहैभजुगुरुगोबिंद१०॥ ध्यानश्रीमहादेवजीका॥ परमात्मापरमक्षरं। सर्बात्मासर्बोपरं॥ करपूरगौरकलेवरं। शिवशंकरंशिवशंकरं॥ योगीनहितअजपाजपं। जनदीनहितसुरपादपं॥ करुणाउदारदिगम्बरं। शिवशंकरंशिवशंकरं॥ ओंकाररूपउमाबरं। आधारजीवचराचरं॥ संसारसारअगोचरं। शिव०॥ बिश्वेश्वरंबिश्वम्भरं। बिधुशेषरंचरमाम्बरं॥ भुजगेंद्रहारमनोहरं। शिव०॥ गिरिनाहषटमुखभैरवं। भूतादिअगणितशाम्भवं॥ यशुदारमन्तन्तांतरं। शिव०॥ राजैशकारवकारद्वै। पोषकजगतअनुहारद्वै॥ हृदयारबिंदेमधुकरं। शिव०॥ जिमिअर्थबानिबिवेकहै। जलबीचिद्वंदरुएकहै॥ इमिभवभवानिपदउच्चरं। शिव०॥ हरदासअबिनाशीअजा। अखिलेश्वरीजोशैलजा॥ सहितंनमामिनिरंतरं। शिव०११॥ बन्दनाश्रीशिवकी॥राग॥ गिरिजापतिगतिकोजानै। जेहिश्रुतिकहिनेतिबखानै॥ लखिहरखिअजिनउरव्याला। षट्वांगबिभूतिकपाला॥

तंत्रोपकरनइमिलीन्हे। ऋधिसिद्धिसुरनकोदीन्हे॥ गजबाजिसिंहासनयाना। सुरबाहनबिबिधबिधाना॥ शिवरीभूसबनसोंन्यारी। मनमानीबैलसवारी॥ यमयक्षबरुणगंधर्बा। नरनारिचराचरसर्बा॥ छिनमेंसबकोसंहारन। गहेपर्शकहोकेहिकारन॥ बिधिबिष्णुअमरपुनिआना। पहिरेंपटभूषणनाना॥ यहमतकहोकेहिअनुमाना। ओढ़ेगजचर्मचिराना॥ मुक्तामणिमाणिकस्वरना। भरेभवनअमितआभरना॥यहरुचिकहोकौनप्रकारा। कियेब्यालनकोशृंगारा॥ संन्यासब्रतीजेसाधे। धरेदण्डकमंडलकाँधे॥यहकौनसोनेमलियोहै।षट्वांगलियेसँगसोहै॥ सुरसंतसबैसबठोरी। लियेकेसरिमृगमदघोरी॥यहअचरजहैअतिभारी। दियेभस्मत्रिपुंड्रपुरारी॥ मनसंपुटपात्रसोहाये। सबदेवनकेमनभाये॥ यहभेदकहौकेहिभाँती। लियेमुंडत्रिपुरआराती॥ अद्वैअजअलखमहेशा। कहिपारनपावतशेशा॥ शशिमौलिहृदयसाबिचारा। शिवकीगतिअपरंपारा १२॥ राग॥ शंकरसुखसदनमदनमरदनत्रिपुरारी। शैलसुतारमनशमनसज्जनभैभारी॥ अरुणबरणचरणकरणकुंडलकृतब्याला। दारुणदुखहरणशरणसेवकप्रतिपाला॥ डमरूकरकमलअमलइन्दुसोहैशीशा। नितनयेयशकहतलहतपारनबागीशा॥ अतिहीच्चितमृदुलबिपुलशीलसरलभाऊ। तन्दुलशिरधरतकरतचक्रवर्तिराऊ॥ साधैशशिमौलिसकलसंयमब्रतनेमा। बांछितफलसुलभनबिनगिरिजापतिप्रेमा १३ अगुणअलखअद्वैअभिरामा। अजअब्ययअनादिअवि

नाशीअबिचलअनघअकामा॥ बिश्वेश्वरबिद्याबुधिबा
रिदलसतबाराणसिग्रामा। गेहज्ञानगणपतिपितुशंकर
गिरिजाजाकीबामा॥ चिंतामणिचिंतितचिंताहरचेतन
चन्द्रललामा। दुराधर्षधरधीरधुरन्धरधर्मध्वजधनधा
मा॥ सुखसागरसमरथसबलायकदायकजनबिश्रामा।
सोइसहायशशिमौलिसबहिकोशिवशंकरजेहिनामा १४
देखौअद्भुतप्रातसमैशंकरछबि। समतामिलिनसकैका
हूविधिढूंढ़िथकेसकुचेसगरेकबि॥ नरशिरमालहृदैनि
ज़राजतहालाहलकलकंठरहोदबि। अतिशोभायमान
कटिऊपरनागनकीरहिनागफनीफबि॥ बैठेबाघम्बर
ओढेशिवगिरिकैलासशिखरसुन्दरपबि। गिरिजासँ
गशशिमौलिमगनमनतेजनिरखिरथरोकिरहेरबि १५
कोबरनैशिवसुन्दरताई। कोटिनकामकांतिजेहिजोव
तिजातसदागरिलाजलजाई॥ कालकूटकलकंठबिराज
तसाजतशोभासींवसोहाई। कुंभसमेतनीलमणिमानौ
दलनदुसहद्युतिदेतदेखाई॥ भ्राजतभस्मबिशदगौरी
तनसोसुखमाकछुकहिनहिंजाई। जनुकरपूरकनकमूरति
मृदुलसतमनोहरताअधिकाई॥ बिमलब्यालकिंकि
णिकटिऊपरप्राबिशतशुचिलावण्यसदाई। मन्दरमध्य
बसतबासुकिज्यौंमथनचहतछबिसिंधुसमाई॥ सोहैश्या
मपदपृष्ठिअरुणतलउदितनखनद्युतिश्वेतप्रभाई। जनु
रबिसुताशारदासुरसरिकरतसदाशशिमौलिसहाई १६
शिवगिरिजागतिजानैसोई। शिवसज्जनअरुशिवपूज
नसोंएकौक्षणजोबिमुखनहोई॥ संन्यासीमिलिजायज

हांकोनिजदुखदोषनराखैगोई। षोड़शभांतिकरैसेवकाई जाइसकलअघऔगुनखोई॥ होइप्रसन्नमहाऋषिजा बिधिसोईकाजकरैकरदोई। असकछुमंत्रमिलैतबतिनसों जाइसकलसंशयभ्रमधोई॥ सोतोहोइनिरद्वंदफिरैफिरि उघरैगुप्तप्रगटजहँजोई। जनशशिमौलिउमाशंकरगति सोइजानैअरुजानैनकोई १७॥ जरिजानासतीजीकादक्षकी यज्ञमें॥राग॥पितुमखकीन्हदाहनदेह।सहिनसकिअपमान पतिकोपतिव्रतादृढ़नेम॥ सतीसंगजोरहेशिवगणधीरबु धिबलअेह। लगेयज्ञविध्वंसकरनेभइमुनिनसंदेह॥तुरत भृगुमुनिजटाफटक्योप्रगटभइयकनारि। कीन्हिरारिनि हारिगणतबचलेजहँत्रिपुरारि॥ शिवसाठोतीनितिनसों कह्योनारदजाइ। चलेतेसबशंभुसुनिपुनितुरतपहुँचेआ इ॥हँसतपूषादसनतिनकेलीन्हपाणिउखारि। खैंचिदा ढ़ीमूछभृगुकीलपकितबदियोडारि॥ प्रसिद्धहरशिवनं दिगणपुनिदंडबिधिवतबाटि। काटिदुरवासाजटागहि दक्षशिरलियोकाटि॥ प्रेमबशशशिमौलिदृगजलप्रबल वरषतनेह। लीन्हशिवउरलायअतिहितसतीदाहन देह १८॥ जन्मश्रीपार्वतीजीका॥राग॥प्रगटभईगिरिजामह रानी। संबतमासपक्षताराकतिथिसमयसुमंगलखानी॥ अमितअखंडमंडलाकृतसमसुवनप्रथमदरशानी। ता मेंभईपुनिप्रगटश्यामतासोनसकैकहिवानी॥ तातेअंगुष्ठ प्रमाणभईपुनिजगमतिज्योतिलखानी। परमप्रकाशप रेपरमेश्वरिब्रह्मकहतजेहिज्ञानी॥ ताकेपुनिदोरूपदृशि तभयेआकृतिजातिनजानी। अर्द्धगईकैलासदिशाकहँ

अर्द्धरहीठहरानी ॥ अतिअद्भुतशशिमौलिकथातेहि
शारदमतिसकुचानी । मतिअनुमानसुरनसंमतकरिक
हिशिवशक्तिबखानी १५॥राग ॥सोजैजैजैमहरानी। प्रग
टभईभवभारहरनहितहिमकीरजधानी ॥ लहकिउठीबे
लीबागनकीरहीजेकुम्हिलानी । भूलेअलिफूलेकुवल
यसरसरिताउमड़ानी ॥ बोलैखगडोलैपौनैशुचिशीत
लतासानी। सुघरीशुचिउघरीशैलनमहँमणिगणकीखा
नी ॥ संवतमासपक्षताराातिथिलगतीसुखदानी । दश
हुदिशनउतपतिभइदीपतिदनुजनभयमानी ॥ बाजैशं
खपणवदुंदुभिनभहरषेमुनिज्ञानी । नाकनटीनिरतैंगा
वैंगुणमृदुमधुरीबानी ॥ सावित्रीविधिश्रीश्रीपतिपुनिसु
रपतिइंद्रानी । वरषिसुमनकीन्हीबिनतीबहुजोरियुगल
पानी॥ अष्टादशभुजवेषअलखलखिमातुविनयठानी।
कारजकरनअकारनआद्यातुवगतिकेहिजानी ॥ दृगबि
नलखतसुनतश्रवणनविननासाविनघ्रानी । मुखविन
वचनस्वादरसनाविनहियविनहरषानी ॥ करविनकरम
चलनचरननविनकटिविनठहरानी । मनविनमननचे
तनचितबिनबुधिविनपहिंचानी ॥ अहंकारविनवस्तुज
हांजोहैसबकीमानी । देहबिनानिजनामरूपकरियहवि
दितकियोआनी ॥ ऐसीजोसमरथसबलायकसबविधि
विद्वानी । सोकिअदेहदेहधारैनिजमोमतिसकुचानी ॥
सुनिवरविनयदिव्यमैनाकीमातामुसक्यानी । कीन्हच
हैबहुचरिततुरततबमायालपिटानी ॥ तजौवेगियहवेष
निराखिमैंबहुतैअकुलानी । अतिप्रियमोहिंसुतालीला

सुखदेखिजोदुखहानी॥ लागीरोदनकरनकन्याकैजननी हुलसानी। जैशशिमौलिअजाअखिलेश्वरिसुरमुनिकल्यानी२० प्रगटभईहिमशैलकुमारी। परमेश्वरिपरगति पारायनिपरानंदप्राणनकीप्यारी॥ ऋष्यमूकमैनाकमेरु गिरिगोवरधनविंध्याचलभारी। लागेसकलसिहानपर रूपरहिमगिरिपुण्यसबनतेन्यारी॥कहतकामतागिरितेहि अवसरहमसबसकलरहैनभचारी। मूढ़मदान्धमहाब लगरवितसपनेउचित्तदयानहिंधारी॥बैठतडोलतउठत हमारेअमितगगनवरहोइदुखारी। बसैनिशाजियजा निजहांजबदबिसंहरैनगरतवभारी॥ हिमविवेकअरुध रमधीरताकहनयोगनहिंजीभहमारी। चलोफिरोनहिं उड़ोआजलगुपुनिअघजीवविनाशविचारी॥ जड़केजड़ हमरहेजौनअघहिमकरनीनिजभयोसुखारी। यथाकर्मश शिमौलिमिलैफलजनिसिहाउपरभाग्यनिहारी२१ जग हितहेतप्रगटभइमाई। अजाजन्मआचरजयोगपैदा सनकाजनबारलगाई॥शिरसोभयोअकाशअमलद्युति केशननीलघटाछबिछाई। भ्रूसोइंद्रधनुषपलकनसोनि मिआनंदहृदयअधिकाई॥ दृगसोरविकरणनसोमारुत नासासोआश्वनिअर्थाई। मुखसोअग्निबरुणरसना सोदशननसोयमराजबड़ाई॥ वाणिसोवाणीअधरसोर तिपतिकंठसोवेदनकीबकताई। कंधसोदक्षभुजनसोसु रपतिकरसोविश्वकरमानिपुणाई॥ अँगुलिनसोदिगपा लनखनसोतारागणशोभासमुदाई। उरसोशशिसामुद्र उदरसोकुक्षिनसोधनपतिअधिकाई॥नाभिगणेशयक्षजं

घनसोपदवाराहकमठअचलाई।रोमावलिसोअहिल्वक
पुनिसोचित्रगुप्तकीचातुरताई ॥ शोणितसोसरितासर
मानसमज्जासोदनुजनदनुजाई। अस्थिअचलकालपृ
ष्ठासोरेखनसोसबसृष्टिबनाई ॥ मनसोमनुचितसोल
क्ष्मीपतिबुद्धिशोधिसिरजतचितलाई । अहंकारबलरु
द्रउमाइमिकियोशशिमौलिबिराटउपाई २२ गिरिजा
जन्मतुहिनिगृहलीन्ह्यो । हरषितबरषिसुमनसुरतरुके
सुरनदुंदुभीदीन्हयो॥ कोटिसुवनसमसुताजानिजेहिदा
नअनेकनकीन्हयो । भयेशशिमौलिमगनमनदंपति
दिव्यरूपकरिचीन्ह्यो २३ जाकोपावतपारनशेष ।
सोनारायणप्रगटशैलगृहधरेसुताकोवेष ॥ विश्वभर
नपोषनसबसहजाहिहोतशक्तिजेहिपाइ।तहिजननीपहि
रायछठोलोछठीकरतउरलाइ ॥ अंतनलहतमारकंडेश
तनामनयेजपिजासु। गिरिगिनवाइगणितगारनसोनाम
धरावततासु॥निगमअगमगतिजासुजानिजियनेतिकह
तकरितोष । जन्मपत्रखिंचवाइतासुपितुपूछतगुणअरु
दोष॥ पोषतजननीजठरजीवनजोदेतअशनमनमोद ।
अन्नपराशनकरतमातुतेहिबैठारेनिजगोद ॥ भद्रवेषउ
रजटाभारयहसंन्यासीजेहिध्याव । क्षौरकर्मकरवाइता
सुपितुकरतचौगुनोचाव ॥ करतगानगुणजासुदिवसनि
शिचितलगाइसुरसंत । करणवेधशशिमौलिकरहितेहि
मातुहरषिअत्यन्त२४ ॥ चन्द्रलीला॥राग ॥ लीन्हेगोदउ
माकहँमाई । पूरणइंदुउदितअरधनिशितैसहितासुछ
टाछबिछाई॥नींदनपरतप्रियाहिबाहिलावतशशिहिबोला

वतकरफैलाई।हैभूखीकन्याममताकहँजाउसुधारसबेगि
पियाई॥ किलकतहँसतलखैनहिंनभतनबारबड़ीतवदे
खिजोन्हाई। देखतहीजननीकीबातैंदीन्हअचानकहा
थउठाई॥स्यन्दनसहितसुधाकरतवक्षणसहितसुधाना
योशिरआई।गयेमूंदिनैनादृगत्योंहींव्यापिगईतनशीत
लताई॥ कीन्हविदाबिधुकहँजगदम्बाहरीमातुमुरछा
अलसाई। मैंशशिमौलिहृदयतेहिनिश्चयहैईश्वरिजे
हिसृष्टिउपाई २५॥ चलनागिरिजाजीका॥ राग॥ लगी
जबचरनधरनधरनी। कीन्हमनमोदमहीसुरसन्तभई
अबसिद्धसकलकरनी॥ उपजसुरमधुरबजतघुँघुरूसु-
नतडिगाठिठुकिरहीहरनी।समुझिसोशब्दकरहिजोध्या
नतरहिभवसिंधुबिनातरनी॥ मनोहरमंदमृदुलमुसका
तदमकद्युतिदशनदुसहदरनी। सकुचवशभासुमयंक
प्रकाशसहसमुखजातनहींबरनी॥ कहैशशिमौलिजप
तजेहिनामपतितभयेसंतसदाचरनी। प्रगटमहरानिसो
बालस्वरूपनसोहिमऔहिमकीघरनी २६ चलीजात
गिरिजामगनमन। हिमवानआंगनअमलद्युतिकरत
परमपावनपगनसन॥ भइभूमिकोमलकमलओकियो
शीशछायागगनघन। शशिमौलिगिरिजादरशहितभ
योदेवतनकेदृगनघन २७ भलिछबिसोहिरहीदोउपाय
न। रुनुझुनुधुनिघुँघुरुनउपजतजबजातसकुचिसगरे
गुनगायन॥ होतचरणचिह्नितक्षितिज्योंज्योंत्योंत्योंनि
जसमुझततारायन।लीन्हदुरायदुसहकंकरकुशभईको
मलमहिसहजसुभायन॥ पदतललालितलसतउघर

तद्युतिदियदामिनिउपमाकरिआयन । अंकुशकुलिश आदिकरेखनपैहियहारीकरिकोटिउपायन ॥ अतिही सुघरश्यामताली न्हेहैपदपृष्ठिप्रत्यक्षप्रभायन । यमुना प्रेमपगीवाकेइमिसोइसजरंगरँगीचितचायन॥ नखअ वलीलखिलाजविवशह्वैताराग णमूंदेचन्द्रायन । चन्द्र भयोगरबितताहेसोघटतबढ़तबिरहिनदुखदायन ॥ जे हिरजकीअभिलाषकरहिंनित योगीयतीतपीजलशाय न । सोइशशिमौलिमिलौमाईमोहिंमांगतमैंनहिंआन रसायन २८ ॥ बन्दनागिरिजा ॥ राग ॥ गिरिजायशज गमगचिंतामन । श्रुतिमगकैहियधामधरौजनत्रिबिधि तापतमकोडारोहन ॥ दुखदारिद्रकीहानिसकलबिधि लाभअनेकसोकौनसकैगन । सपन्योदीखप्रकाशतासु जेहिभूरिभागताकेकहियेधन ॥ बागलगायदियोमगमें तवबापीकूपतड़ागदेउखन । सोसबपुण्यउदयभइताकी जेहिपायोयहपरमबिजक्षन ॥ भक्तिवेदमहिमाजाकीक हिनहिंसामर्थ्यजोऔरसकैभन । जोनिजभूठफिरैभले जेतिनपरसदासाढ़सातीशन ॥ योगीजनजोगवैंजेहिम णिकहँराखैपानसमानयथाफन । सोशशिमौलिसुलभ भइतोकहँगहुपोढ़ेअबभूलुभटकिजन २९ रीझैइशउ माकेजापी । क्षणभंगुरादेहधरिधरिसोफिरत्रयतापनता पी ॥ परमानन्दअमीरसकोघटउरअस्थलअस्थापी । आधिब्याधिबिग्रहबिस्मयबिषकबहूंताहिनब्यापी॥ ज्ञा नबैरागयोगमारगमहँजोसुखवेदअलापी । सोसबलहैं सहैनहिंपैश्रमदहैदुसहदुखदापी ॥ मोहादिकचितकेचो

रनकोज्ञानचरनसोचापी। डारितिन्हैंनिरद्वन्दकोठरीप टबिवेकसोढापी॥ ह्वैअद्वैतअमलअद्वैपदपावैप्रबलप्र तापी। हरषबिषादनअस्तुतिनिन्दाकरैकृपानहिंशापी॥ संयमयोगयज्ञतपतीरथसबहीसोमुखभापी। शिवस्वरू पशाशिमौलिमिलोजबस्वयंसिद्धभयोआपी ३०॥ खेलन पार्बतीजीका॥ राग॥ सुकुमारिनसँगखेलनलागी।वेदभेद नहिंजानतजाकोतोतरबोलबोलतअनुरागी॥ मुखमुसु कानिमधुरतारसबसशशिकरमेंभइअमिरतपागी। याही तेकरिचाउचकोरैचितवतताहिरहीनिशिजागी॥ दुइदु इदशनदेखिदामिनिकेभइसबकलाप्रत्यक्षबिरागी। इत दरशनकोलोभलाजउतउघरतदुरतअपनपौत्यागी॥ लक्षणललितलखतगिरिजाके कहतनगरसखिसकल सोहागी। हैशशिमौलिप्रगटजगदम्बा देखिइन्हैंहम सबबड़भागी ३१ पटप्रतिमारचिरुचिरसोहाई। खे लनलगींकुमारिनकेसँगकरिलीलालरिकाई॥ सुरसुन्द रीनामतिनकोधरिज्योंहींटेरिबोलाई। चिदानन्दचेतन ह्वैह्वैसबकरजोरेउठिधाई॥ वैसैशीलस्वभावक्षमा छविचरणचारुचतुराई। सजिशिंगारनिजनिजलोकन सोजनुअबहींचालिआई॥ कम्पिकुबेरइन्द्रबरुणादिक देवजातिजहँताई। धीरनधरतकरतअतिहीभयमंत्र सबैसबठाई॥ पुरुषनहूबिरचनचाहतहैंजैसेशक्तिरचाई। अबतेतहांहोइगेस्थितहमसबजौनजहांई॥ शंकरनिकट जाइपायनपरिपीड़ासकलसुनाई। उमाचरितशशिमौ लिकह्योतबतुमनिरशंकसदाई ३२ जागजगजीवन

गिरिजाजगमगगृहभयेभये ॥ दरशनकाजखड़ेसुरमु
निगुणगावतनयेनये। गंगाजलभारीसखियांसबठाढ़ी
लयेलये ॥ उठिबैठीसुनिशैलसुतासबदुखमिटिगयेग
ये। नायोशिरशशिमौलिमगनचरणनाचितदयेदये ३३
गिरिजादेखुसंध्याभई । हैसमयअबआरतीकोखेलुज
निअँगनई॥ सगुनलीलाछांड़िक्षणभरिबैठुमैंबलिगई।
लेहुँकरितुवचरणपूजाजक्तमंगलमई॥ सुनिसिंहासनकी
न्हआसनमातुपूजालई। धनिसोकहिशशिमौलिसोजे
हिजनानिबुधियहदई ३४ अबजनिजाहुखेलनदूरि।
देखिसकलसिहाततुमकहँदृष्टिजिनकीकूर॥लोगसबसुत
पाइसमभतकामनानिजपूर । तुमसुतासुतसरिसमो
कोजक्तमंगलमूर ॥ परततोमुखधूपछाहींभरतपगमग
धूर । लरतपरसुकुमारतुमसनकरतनितभकभोर ॥
कहतइमिशशिमौलिमातामोहबशतृणतूर । यंत्रदीन
बँधायभुजपरमंत्रसमुभिबिसूरि३५ ॥ सखीवचन ॥ यह
कन्याबड़ेभागनपाई । राखनयोग्यहृदयसंपुटकैहैदेवी
कीमूरतिमाई ॥ बुधिविद्याविश्वासविनयबलवानीकृत्य
विवेकबड़ाई । जबतेप्रगटभईगिरिनंदिनित्रिभुवनभू
तिभवनतवछाई ॥ सुतलक्षणलक्षितसबयाकेअद्भुत
चेष्टाचिह्नसोहाई। हेरनिहँसनिचलनिअरुबोलनिलेहि
मनौविधिचित्तचोराई ॥ खंजनदृगभ्रुवइंद्रशरासनशुक
नासामुखइंदुलजाई। दाड़िमदशनअधरबिंबाफलकंठ
कपोतरहैसकुचाई ॥ गोसुतकंधकमलकरदोऊकटिकेह
रिपदकंजलोभाई। नखशिखसुखशोभाकीआगरतापर

शीलसकुचअधिकाई ॥ राखुछिपाइक्षपाकरसोंतेहिन हिंदेखाउदिनकरअरुणाई । दृष्टिकुदृष्टिबचाउयतनक रिमैंशशिमौलिकहतशिरनाई ३६ ॥ अद्भुतलीलाश्रीपार्व तीजी ॥ राग ॥ खेलैंआँगनभरीअंगनधूरि । तेहिअवस रमाताहँआईलीन्हसुतानिजगोदउठाई पालनपरपौ ढ़ायोजाई आपगईकहुँकाजबिसूरि ॥ आईपलटिअचं भौदेखा कोटिनहरिबिधिसुरपतिशेषा सुरकिन्नरमुनि अगणितबेषा करतबिनयठाढ़ेसबदूरि। अंबसिंहासन आसनकीन्हें सुरसबसेवामेंचितदीन्हें कोऊछत्रब्यजन कोउलीन्हे कोउभाषतमहिमाअतिरूरि ॥ कौतुक देखिलोभानीमैना भरिआयोजलराजिवनैना अस्तुति करतसुहावनबैनाजैजननीजगजीवनिमूरि । जानाज्ञा नउमामुसक्यानी सोसबलीलाललितलुकानी भटाकिर हीशशिमौलिसयानीतासुहृदयमायागइपूरि ३७॥ सखी बचनटूटनामालाश्रीगिरिजामहारानीका ॥ राग ॥ आजमहारि सवशवहबाला। सुनुजननीतेरीकन्याकरटूटतासुमुक्तन करमाला ॥ यदपिओराहनदीन्हनएकोनहिंकछुब्यंग्य बचनप्रतिपाला। तदपिसकोचशोचबशताक्षणसजल नैनभैनिपटबेहाला॥ देखलदौरिदशाताकीमैंजाइनिकट कह्योबचनरसाला । इकदुइजातिरहेमुक्तातुवताहिन असिबुधिबिकलबिशाला ॥ कोटिकह्योतेहितोषभयो नहिंतुवतुवशोचरचायहचाला । वेगिप्रबोधकरयोजन नीतेहिजनिराखोकुंठितकरिख्याला ॥ सुनिशशिमौलि कह्योतबरानीहैयहलोभमहाबिकराला । देउँपटाइभ

बनमुक्कासोंबरषौजलजिमिपावसकाला ३८ ॥ रागपद॥ मुक्काकोमालकहींटूटो॥गिरिकन्याकरिरिसिबशअज्ञातन हींमानैसमुझायो।जनीभरिभारतहांपठयोसोलीन्ह्योन हिंसमुझीनृपदंडातदपिअतिहीदुखपायो ॥ अज्ञाकियो अंबकुबेर आतुरचढ़िपुष्पकतबपावसजलसरिसनगर मुक्कनझरिलायो । भरिगयेगृहअजिरबिपिनवापिकसो चरितानिरखिपुरजन शशिमौलिहृदयअचरजअधिका यो ३९ ॥ जलबिहारलीला॥ राग ॥ इकदिनशैलकुमारिच लीसरिताअस्नानन। दरशहेतुसुरसिद्धसकलधायेचढ़ि यानन॥कोऊछत्रछायाकियेकोउचामरसुखमूल।कोउगा वैबिनवैकोऊकोऊबरषैफूल ॥ संगसखिनकेझुंडलसैसुंद रपटभूषन। बहुशोभाशृंगारदियेपटतरिबड़दूषन ॥जग दंबाजेहिमंडलीकोटिनइंदुप्रकास। उपमासबजुगुनूसरि सहोतकबिनउरत्रास ॥ सरिताकेतटजायउमाआवाहन कीन्हा।ततक्षणतीरथराजसकलतीरथसँगलीन्हा ॥ आ योजगदंबानिकटनायोचरणनशीश । लायोभारीभेटबहु पायोमातुअशीश ॥करिसंकल्पबहोरिजोरिकरशैलकुमा री। धोयोमुखपदपाणिसहितसखियनबरनारी ॥ सकल सुरनबिनतीकरीबिदाभयेपरिपाय। निजनिजबसनउता रितियलागींतुरतनहाय॥ शैलसुताजेहिकालचरणसरि ताजलडारो । तीरथसबहरषानबिनयकेबचनउचारो ॥ नहिंजानीकाबनिपरीपूरुबपुण्यहमारि । जगपावनपाव नकियोसबअपराधबिसारि ॥ बोल्योतीरथराजपापअ- तिहीजबछायो । लखिअवसरमैंआजसबनयाहीतेला

यो ॥ पापीकरिमज्जनहमैंनिजनिजपातकदीन्ह । आज
तुम्हारेचरणरजहमकहँनिरमलकीन्ह ॥सुनिमुसक्यानी
मातुलगीकलकरनकलोलै । तेहिअवसरगइआइअम
रकन्याअनमोलै॥बहुबाहनबहुवेषछबिबहुभूषणशृंगार।
नाइनाइशिरसरितमहँलागीकरनबिहार॥गावतछंदप्रबं
धकरैकोउअस्तुतिठाढ़ी । जलबिनोदरसकेलिसमयशो
भाबड़िबाढ़ी ॥ कोबरनैमंगलमहाथकेशेषगुणगाइ ।
कोटिबदनसोंअंबुकीमाहिमाकहीनजाइ ॥ करियाबिधि
अस्नानबारिबाहरसोआई । भूषनबसनसुधारिसबैनि
जनिजछबिछाई ॥ अलंकारपटदिब्यतबपहिरोशैलकु
मारि । पूजाकीन्हीमानसीशिवमूरतिउरधारि॥ लखिवि
लंबभयमानिचलीमंदिरमहरानी । सुरकन्याशिरनाइ
गईनिजगृहसुखमानी ॥ लियेसंगसखियांसकलउमा
गईनिजधाम । देखिपितामाता मुदित ह्वैगयेपूरण
काम ॥ पैपायसपकवानपदारथसकलसुहाये । धरिकंच
नकेपात्रसुतैअतिहेतुजेंवाये ॥जलविहारलीलारुचिरगा
वैसुनैजोकोइ । तेहिंशशिमौलिप्रसन्नतादिनदिनदूनीहो
इ ४० ॥ कौतुकलीला यानीगोटक ॥ राग ॥ खेलतमनिगो-
अतिउमंग। श्रीशैलसुतानवललिनसंग॥करतलसोंगग
नउछालिदेत। करपृष्ठतिन्हेंपुनिराखिलेत ॥ लखिलालि
तहथेरीफेरफार । गरिलाजगयोइतसहितमार ॥ यहिं
भांतिकरतकौतुकसयानि । कोउहँसतिकहतकोउमृदुल
बानि ॥ सोस्वस्थहूजैकछुमहारानि । मनुदूषणलागी
कमलपानि ॥ तिहिअवसरइकइककरतिचाव । आयो

भुजगेंद्रनकोजमाव ॥ बहुजातिविविधशोभासमाज । सबकेशिरसुन्दरमणिबिराज॥ कोउकहतहमारीमणिअमोल। अणिमामनजापरउमाडोल॥ कहैएकबड़ोबोलौनबोल। कष्टितचितमोमनकरतलोल॥ सुततार्क्षअपरकीन्होबखान। मेरीमणिपरसुरपतिलुभान॥ प्रतिउत्तरबोलाबहुरिएक। परिपूरणमोमणिगुणअनेक॥ तबएककहीबिधिनिकटहंस। मेरीमणिकोकीन्हयोप्रशंस॥ इककहतरमानितलीन्हनाम। मेरीमणिकोबैकुंठधाम॥ भाष्योतबएकनमणिहमारि। रंभाउरबसिबशकरनहारि॥ बोलाइकअहितुमकहतकाह। त्रिभुवनसबयाकीकरतचाह॥ इकऔरकह्योयाकोप्रकास। हैतुल्यदिवाकरके प्रभास॥ भाष्योइकअहिपुनिसहितहेत। अष्टादशकंचनभारदेत॥पश्चातकहीइकफणिकबात।अपनीअपनीतुमकहतजात॥ लैखेलैउमाजेहिहरषिमान।मणिसोइशिरोमणिमेरिजान॥ गाहिमष्टरहेसुनिसकलब्याल। आयेगिरिजाढिगअतिनिहाल॥ बशप्रेमसकलशिरनाइनाइ। निजनिजमणिचरणनधरिनिजाइ॥ सबहुनजगदंबपरतोषकीन्ह। डरपीकन्यातबसैनदीन्ह॥गयेब्यालबिदाहवैप्रेमपागि। शशिमौलिउमाइतखेलैलागि॥४१

बाजनाघुँघुरूपायँगिरिजामहारानिका॥ राग॥ श्रवणसुनिनूपुरकीझनकार। गयोछायदशचारिभुवनमेंमोहनमंत्रउदार॥ श्रीसमेतश्रीपतिश्रीपुरमेंकरतरहेज्योनार। गयेरहिरोकिहाथहरषितह्वैप्रगट्योप्रेमअपार॥ पढ़तवेदभ्रमभयोब्रह्माकोलागेकरनबिचार।जानिभेदभूलीतन

कीसुधिसुमिरतबारम्बार॥ होतरह्योनूतनाकनटिनको
सुरपतिकेदरवार । डुगेतालबंधानठगेसबचित्रलिखे
अनुहार॥ नरकिन्नरयमयक्षजानिजिभिजोजौनीआका
र। गयेअपनपौहारिहृदयतेभयेमनौंमतवार॥ योगी
श्वरसंन्यासयतिनकोनेकनरह्योसम्हार। बुधिबलअ
लपजिन्हैंतिनकीगतिकोवरनैविस्तार॥बंधमोक्षशशिमौ
लिसबनकीजेइच्छाआधार। तेहिगिरिजापदनूपुरकीध्व
निकिनमोहीसंसार४२॥हिंडोलाभूलना।गिरिजामहरानीका॥
राग॥ रंगहिंडोलाआजउमाभूलनचलीं। करिनिजनि
जशृंगारसजीसखियांभलीं॥ सुखशोभारसपूरपुलकिपु
लकींगलीं॥रतिरम्भादिकनारिनिरखिसोछबिछलीं॥ गा
वतगीतप्रबंधविमलपुरकीअलीं।सुनिधुनिधरतनधीरसु
रासुरकीललीं॥ परीअमरतरुडारडोरिसांचेढलीं। स्व
र्णखटोलासेजसजेचुनिकैकलीं॥ भूलतश्रीजगदंबदि
यापातीहलीं।टूरिरह्योशशिमौलिमनोरथकीफलीं४३॥
देखनास्वप्नगिरिजामहरानिकाकहनामातासे॥ राग॥ मैंमातु
स्वपनएकदेखा। जाकरकछुअद्भुतलेखा॥ चारिदंडज
बब्रह्मलगनसेरहीरैनिअवशेखा। आयोएकपुरुषमेरेढि
गभाष्योभूसुरवेखा॥ उठुउठुराजसुतातवकारणकरुवन
गवनविशेखा। नारदवचनसत्यसबहीबिधिमानौकछुन
परेखा॥ योगीजटिलअकाममिलैवरपरीहस्तमहँरेखा।
सोसबसांचुशंभुपुनितैसेपैबिनतपकिनदेखा॥ तपबल
विधिसिरजैपालैहारिधरैभारशिरशेखा। शिवशशिमौ
लिमिलैंगेतेहिबलयामेंमीननमेखा ४४॥ राग॥ माईस

कोचनकीजैकछुमेरेकाजहुकाज ॥ आधीरैनस्वप्नमैंदेखा आयोजनुकोउब्राह्मणवेखा।लागकरनउपदेशविशेखा॥ उठिकरुतपतजिलाजहुलाज ॥ नारदहस्तरेखजोभाखा हैसबसत्यनअंतरराखा।होइजोशंकरकीअभिलाखाकरि यविपिनकरसाजहुसाज ॥ तातेतोषकरहुमनमाहींमो हिंकछूवनमेंभयनाहीं । सहजैयेदिनरैनिसेराहींफिरिमंग लछबिछाजहुछाज ॥ सुनियहिभाँतिउमाकेबैनाबिकल भयेहिमगिरिअरुमैना। काहूयतनहृदयसमुझैनाधीरज मनसनभाजेहुभाज ॥ ऋषीआइतबहींसमुझायोकहिप्र भावमनमोहमिटायो।तबशशिमौलिउमाशिरनायोहिय शिवभावविराजहुराज ४५ ॥ माताबचन ॥ काहूविधिमो हछुटतनाहीं ॥ देवदनुजकिन्नरअरुचारणबहुबिधियत नकराहीं । फँसेमोहबंधनमेंतेसबकबहूंनहिंबिलगाहीं ॥ यमअरुयक्षवरुणविद्याधरबलप्रभावअधिकाहीं। जाति नदेखिदशातिनकीजिमिजड़ेजँजीरनमाहीं ॥ पशुपक्षी नरनागजहाँजोजोंनेजोवनजाहीं । मोहरहितनहिंहोहिं क्षणौभरिफिरिपाछेपछितहीं ॥ कहैशशिमौलिपितामा तासुतमोहजालयेआहीं। शिवशैलजामोहकबहूंजनिते तिनसोंअलगाहीं ४६ ॥ मनाकरनामाताकागिरिजामहरा नीसेजानेबनके ॥ राग ॥ तुमसुतासुकुमारीकाननकठिनभ यंकरभारी ॥ अतिकोमलमृदुगाततिहारेधानपानअनु हारी । सहिकसजाइबतावोमोकोघोरघामहिमवारिव यारी ॥ नारदकहैंनहिंउचितरहैअसानिजमायाविस्ता री । दीन्हउचाटिनगरमंदिरतेकीन्हापितापुरजनसोंन्या

री ॥ जोऐसीदृढ़टेकतुम्हारीतौमैंकहतबिचारी । घरही
मेंशशिमौलिकरौतपहोइसबनकोहितअधिकारी ४७ ॥
बिहागतालहोली ॥ विपिनजनिजाउअकेलीप्यारी। मैंबलि
हारीतिहारी ॥ वनमेंबहुकेहरिकपिकुंजरभालुभुजगभय
कारी । तहँतुमसंगलेतनहिंकाहूयहअसमंजसभारी ॥
घोरघामग्रीषमकोतीक्षणपवनप्रचंडप्रचारी । ताविचछ
त्रछाहझाड़ीवनकोतुमकोनिरधारी ॥ बरषतवारिबड़ेबड़े
बूंदनघनघमंडबिस्तारी । तेहिअवसरसुधिआवैसदन
कीहोतबिकलनरनारी॥ परेपंथकांटाकंकरकुशहैअतिही
अँधियारी । हाथपसारोसूझतनाहीं भ्रमितहोतबन
चारी॥ हैबहुबिपतिकहांलौबरनौंमानुतुसीखहमारी। ली
जैसंगसखीअरुमोकोसबसंकोचबिसारी॥ सुनिमाताबर
बैनउमातबबोलीबचनबिचारी । हैशशिमौलिकहासंश
यतेहिजोपूजैत्रिपुरारी ४८ ॥ बचनगिरिजामहरानीके ॥ ज
निजननीजियशोचकरैकछुकरमयथारथजानि । बड़ेबड़े
बुद्धिमानविद्याधरयोगयतनकीखानि ॥ मेटिसकतनाहिं
करमलिखाकोउहियहारेप्रणठानि । जीवनमरनसुयश
अपयशपुनिदुखसुखलाभरुहानि ॥ हैआधीनकरमही
केसबसोलीजैपहिंचानि।तिलभरिघटतबढ़तनाहिंरंचक
श्रीब्रह्माकीबानि ॥ तासुउलंघनउचितनकाहूकविजन
कहतबखानि। सुनिगिरिजाकेबैनबिमलबरउरपुरधीरज
आनि ॥ कीन्हबिदाशशिमौलिउमाकहँकर्मप्रबलअनु
मानि ४९ करैजनिप्रीतिहमारीमैंतोगृहकुलतेभैन्यारी ।
नारदऋषिजोकछुभाखापरतीतिसो करिमैंराखाशिवदर

शनकीअभिलाखातपकरिहौंबिपिनमैंभारी ॥ अबको
टिकोऊसमुझावैमनमेंरएकनआवैबिधिकीगति जानिन
जावैपैमोहिंभरोसाभारी । यद्यपिअजअलखअकामा
इंद्रीजितचंद्रललामातद्यपिलाखिकिंकरिवामा मिलिहैं
मोहिंअवशिपुरारी ॥ शशिमौलिउमाकीवानीशोचैसु
निसुमुखिसयानीयहिबैसजोअसप्रणठानीअसमंजसहै
अधिकारी ५० ॥ सखीबचन ॥ तजौजनिमोहिंमहा
रानी । बालापनसोंकीन्हकृपाजिमिकहिनसकैवानी ॥
खानपानएकैसंगकीन्ह्योंखेलीसुखमानी । अबबिछु
रनदुखजातसहोनाहिंहोतबड़ीहानी ॥ तुमबिनकोआ
धारहमारोप्राणनअकुलानी । मणिबिनव्यालजियेक
हौंकैसेमीनबिनापानी ॥ साथहमैंलैजाउदयाकरिनि
जदासिनिजानी । सेवामेंशशिमौलिसदाहमरैहैंहरषा
नी५१॥बचनगिरिजामहरानीजीका ॥ तुमसबलायकसकल
सहेली । मेरीसदारहींसेवामेंगृहकारजनिजदीन्हसके
ली ॥ जोजोतुमहमारहितकीन्होंकहिनसकौंमुखसहस
नवेली । काहूभांतिउऋणहमनाहींप्राणप्रियातुमहौअ
लबेली॥ज्योंअज्ञामानीमोनिशिदिनत्योंअजहूंहठिदेउ
प्रहेली। संगचलौजनिभवनहमारेजनानिहिंबाहिलायोकु
लुखेली ॥ बनविशेषलैजातिहुंतुमकहैंयहहैअसमंजस
उरमेली । शम्भुभजनएकांतकह्योश्रुतितातेबनहमजा
हिंअकेली५२ ॥ सखीवचन॥समुझानागिरिजामहरानीका ॥
गिरिजाजनिकीजैलरिकाई । हैतूसकलसतीकेलक्षणअ
बयहतनधरिआई ॥ तुवमायावशजीवचराचरभ्रमत

फिरतसबठाईं। नाचतनाचनचावतजाबिधिदारुतिया कीनाईं॥ योगीयतीजपीजलशयनीमुनितापसजहँताईं। योगक्रियाजपयतनयज्ञतपतुवहितकरतसदाईं॥ जग जोवस्तुजहांलौंजितनीतेतुमहीप्रगटाईं। सावित्रीकम लाइंद्रानीहौंसबकीमनभाईं॥ यद्यपिआपअपनिप्रभुता सबकैसुकुमारिजताईं। तदपितुम्हारिदयाहमरेमुखयैबा तैंउपजाईं॥ सुनिमुसकायदेवगिरिनंदिनिजककमोहनी धाईं। तेशशिमौलिसकलसखियनकहँमायामेंलपिटाईं ५३॥ शोचकरनामैनाकाजानेबनगिरिजामहरानीका॥ प्रिय जीकीजियसुरतिलगीरी। कलनहिंपरतधरतनहिंधीरज आंखिनकीनिशिनींदभगीरी॥ बारीबैसवासबनमेंकियो ऋषिनारदकेबचनठगीरी। कपिकेहरिवृकवाघभरेजेहि बिचतिनसोंकिमियोगजगीरी॥ बसतसदामणिमयमंदि रजोछत्रव्यजनआनँदउमगीरी। सोसुकुमारिकठिनका ननमेंकुशकंकरदुखदाहदगीरी॥ कोमलकमलगातमृदु मूरतिचंद्रछटाछबिरूपरँगीरी। तेहिविधनातपकरनपठा योमोसमकाकीपुण्यखँगीरी॥ करतशोचयाविधिहिमरा नीताहिकालनभध्वनिसजगीरी। हैशशिमौलिनदुखस पनेतेहिजोशंकरपदप्रेमपगीरी ५४॥ समुझानामैनाका॥ जनिशोचकरौमाईं। सुखदुखदेहसाथसबकेयहरीतिच लीआईं॥ करतभोगसोइभयेवियोगाबशलहतबिकल ताईं। जबजसजूनलिखोजेहिकरमनहोतअवशिआईं॥ जानततनुतिनरीतिसकलविधिविधिकिकठिनताईं। क रमप्रमाणलिख्योजाकेजोमेटिनहींजाई॥ असजियजा

निधरौधीरजउरत्यागौकदराई । रीभबूभशशिमौलि प्रभूकीकोजानैभाई ५५ मोहितौशंकरहीकीत्र्यास । कोऊकोटिकरैपरिहास ॥ मातपितातजिदियेभवनसो सखियांभईउदास । लाखुचवाउकरैंपुरवासी हैनाहीं कछुत्रास ॥ तुमजोकहतशंभुत्र्यौगुणमय बिष्णुसकल गुणरास । त्र्यमृतमेंगुणसकलस्वातिबिनबुभतनजलु कपियास ॥ मातुपितापरिवारकुटुमगृहत्याग्योब्याक्त प्रयास । होइबियोगदेहप्राणौकरतजौंनशिवविश्वास ॥ खंडखंडह्वैजायँजेरैंपुनिजठरत्र्यगिनकरवास । मीनदशा देखौताहूपरतजतनबारिबिलास ॥ महारजतपगटैपाह नतेजारेहुतजतनभास । मोहूंतौशशिमौलिशैलजाप्र णकिमिहोइबिनास ५६ तपत्र्यारम्भकीन्हमहरानी । ह्वै साचमनबैठिकमलासनभतसिद्धिकरिसंध्याठानी ॥ षो रंन्यासषड़ंगकीन्हजबतारिदीन्हकरिफटयुगपानी । मस कएकप्रगट्यौकरसोतबततक्षणभयोत्र्यँगुष्ठप्रमानी ॥ क्ष णमहँबालकुमारत्र्यवस्थातुरतैंतरुणबैसत्र्यधिकानी । वि कटवेषभारीभयदायककरतशब्दपृथिवीत्र्यकुलानी ॥ कँ पेसिंधुगिरिपवनडरेमनत्र्याकसमातदेवद्युतिहानी । शो चनलगेपरसपरत्र्यगजगईश्वरगतिकछुजातनजानी ॥ परेचरणसुरगुरुकेसुरसबधरौधीरबोलेगुरुज्ञानी । जन्मे उयातुधानुकोऊकहुँकछुदिनमेंतेहित्र्यायुतुलानी ॥ इहां सोत्र्यसुरजीत्योचारोदिशिदेखिनपरयोकतहुंकोउप्रानी । करतविचारकौनकाकोमैंकेहिराखोमोहिंबिनमहित्र्यानी ॥ जगदम्बिकाध्यानमहँबैठीजानाहैकोउपरमसयानी । कर

युगजोरिसहससम्बतसोरहाठाढ़नहिंमति भ्रममानी ॥
खोल्योदृगदेख्योजननीतेहिकेप्रसन्नबोलीमृदुवानी । मां
गुअमरपदछोड़िक्षोभछलधनधृतिधरनधामरजधानी ॥
कामरूपरवितेजसोमशतइन्द्रराजअहिपतिअचलानी ।
कह्योअसुरजोमरनएकदिनतृणसमानलीजैपहिंचानी ॥
सुनिसुररिबुधिबलचातुरतामनहींमनमातामुसक्यानी ।
मोहिलईमतिसोबोल्योपुनिअबजोकहौंसोलीजैमानी ॥
एकदुइतीनिचारिपंचाननबहुमुखबिनमुखवेदबखानी ।
हैषटबदननकोऊताकेकरमुक्तिमिलैमोहिंमातुसयानी ॥क
हिएवमस्तुतेजप्राक्रमबलदीन्हिताहिसबआनँदखानी ।
आपभईपुनिध्याननिरततबप्रभुताबशतेहिमतिबौरानी ।
वनबिनस्वामिअकेलेकामिनि हरौंहृदयअसइच्छाआ
नी । ज्योंहीचलनचह्योमाताादिगषटमुखमूरतिताहिल
खानी ॥ भग्योबहुतपाछेसोधायोघूम्योनभपतालछिति
छानी । हारोबहुतमूँदिदृगबैठोपाहिजननिअघहरनिभ
वानी ॥ बीतेचारिदंडजबयाबिधिखोल्योनैनबिकलअ
ज्ञानी । देखिकहूंकोऊनहिंसम्भ्रमतबहरष्योनिजजीव
नजानी ॥ कछुदिनमेंगयोभूलि०यथासबरारिसकलसुर
मुनिसनठानी । होनचहैशशिमौलिसदासोइईश्वरिजो
इच्छाउरआनी ५७ कठिनबनबासकियोमहरानी । शिव
तपउरअनुमानी ॥ पहिलेपरनकुटीरचिराखीदेवनअव
सरजानी । ठौरठौरसरकूपवापिकापुष्पावलिकीखानी ॥
प्रेममगनऋतुराजरुचिरतहँआयोअतिसुखमानी । क
रिबिनतीबिरच्योरचनानिजरतिरम्भासकुचानी ॥ ला

गिभईगतिमन्दमहाप्रियपवनसुधाकीसानी । महकेसु मनलतालहकेसबचहकेखगबहुबानी ॥ गुंजैंअलिपुंजैं पंकजदलकुंजैंभुँकिझलकानी । जगदीश्वरिशशिमौलि बसीजहँछबिकिमिजाइबखानी ५८ उजियारीभादौंकी तीज । भवभयहरनभरनआनँदउरकरनमहाअघछीज ॥ निराहारनिरजलजगदम्बाशिवपारथीबनाइ । चारि यामयामिनिजागरनकरिपूज्योषोड़शभाइ ॥ पेखिप्रभात विसरजनकरिपुनिपारनइच्छाकीन्ह । किरातिनिनतब आइमूलफलमातुनिकटधरिदीन्ह ॥ परमप्रसन्नप्रसाद प्रथमहीदीनसबनकहँअम्ब । शिरधरिखानलगेतेसब तेहिएकनकीन्हबिलम्ब ॥ करिधिकधिकयाताकिकहेस बकूरकरीकितबार । कीन्हनहींआचमनदिशाकैतातेहै यहआर ॥ संयमनेमआचमनमज्जनकछुयामेंनविचार । मातुप्रसादकूलतापरहमसबाबिधिउचितअहार ॥ मानी नहींमूढ़काहूबिधिकीन्हसबनतबहोड़ । उठौंचलौंकहि कोपिमातुतबसैंनदियोकहिछोड़ ॥ घेरोसबनताहितिहि तिनपरकीन्हीमुष्टिप्रहार । गिरीभिरीउठिलड़ीमातुबल्ल हारोसोसबकार ॥ दैउरपदपछारिबरजोरनलगीखवाव नमूर । पाहिक्षमापुनिकरीमातुममजानिअज्ञअघभूर ॥ शिरमुण्डनकराइताकोतबजविदानदियोमात । सिंधुम- ध्यउपद्वीपवासकरुअबनहोवअज्ञात ॥ नामतरकतारक सुतसोसुनिगयोमहाबरपाय । देविदयाशशिमौलिदियो तेहिनिर्गुणज्ञानगहाय ५९ ॥ आनामोहनीकापासगिरिजाम- हरानीके ॥ गिरिजासत्यसंदोहनी । शिवप्रतिज्ञामोहकेबश

चित्तसकुचोहनी ॥ मोहसोबहेश्रासुतासोप्रगटतियसो
हनी । जोरिकरकहयोकहाश्रज्ञानाममममोहनी ॥ इन्द्र
बरुणकुबेरकिन्नरसुरश्रसुरछोहनी । मोहमालासूत्रमेंमें
सकलकोपोहनी ॥ हैयहीश्रभिलाषश्रबतेहिहितपायँन
परौं । एकबारमहेशजीकोमोहकेबशकरौं ॥ दशनश्रंगु
लिदाबिदेवीकहयोहैनहिंसमै । पूजहीसबश्राशश्रबतूबि
ष्णुतनमेंरमै ॥ धोखिहौजोदेखियाकहँहोइबहुबलहियो।
बिष्णुमेंशशिमौलिताकहँलीनताकहँकियो ६० ॥ किरा
तबचन ॥ सुन्दरियहिबिपिनकहौश्राईकेहिकारन । बस
तबिबिधबंचरजेमानुषसंहारन । गजैंकपिभालुभुजग
फुफुकेंफुफकारन॥ जबलगिजेहिश्रायुलिख्योबिधिक्रम
श्रनुसारन । तबलौनहिंमरबलगैकोटिकोऊमारन ॥
कापैतुवचरणाधरणिशोभाकीभारन । ऐसेबनबिषमकि
योकैसेपगधारन ॥ कैसहुकोउसोहैसहितशोभाशिंगार
न । शिरपरजबपरतफिरतकिंकरश्रनुहारन ॥ कहिये
निजनामनगरपुरजनपरिवारन । हैधौंपितुमातुकहांकी
जैउच्चारन ॥ गिरिजाममनामनगरहिमपुरजगतारन ।
मैनाहिममातुपितात्रिभुवनभयहारन ॥ सुनतैशशिमौ
लिउमावाणीसाधारन । किरतनभयोज्ञानपरेपायँबड़े
प्यारन ६१ राजसुतासुखशीलशिरोमणिकेहिकारणय
हिबनतुमश्राई ॥ नामकहाकेहिकीकन्यातुमकेहिपुरतेय
हिश्रोरसिधाई । गजकेहरिकपिभालुभरेजहँबासकरौ
तहँसंतसहाई ॥ नामउमाहिमराजसुतामैंहिमनगरीमहँ
बसतसदाई । जेहितपकाजकियोकाननहमतासुकृपानि

भयसबठाई ॥ योगियतीसंन्यासव्रतीमुनिकोउनइहाँ आयोबरिआई। हैतीक्षणतपभूमिकठिनयहबालजती तुमसहजसोहाई ॥ हैतूनितनिर्भयविचरतबनगनतन कालहुकीकठिनाई। हमतेबालविशेषभयातुरतदपिन करमलिखीलरिकाई ॥ हौंजगदंबजगतजीवनतुमतेज उदितआदितकीनाई। जानिपरोशशिमौलिहमैंअबहम हितबासकियोयहिघाई ६२ ॥ प्रीतिबचन ॥ धनिवहुतेज तमारिबिनन्दन। अलिकैजाइडडेहमसनमुखलीनभयो मनपदअरबिन्दन ॥ अतिलघुबैसकरनदीरघतपदंड कवनजहँत्रासतपिन्दन। राजतराजकुवंरितनतदपिहै जननीजेहिध्यायोसुरनन्दन ॥ हैहिमागिरिकन्याकहयो कातनपतिव्रतहितबैठीतपस्यन्दन। धीरधुरीश्रुतिचारि चक्रपुनिधर्मध्वजायुतबुधिवाजिन्दन ॥ तुमसर्वज्ञसक लउरबासीगातिनजासुजानैयोगिन्दन। हैवहकौनकृपा करिकहियेजोअदर्शशशिमौलिमुनिन्दन ६३ ॥ आना तारकअसुरकावास्तेयुद्धके ॥ आकसमातमूलतरुटूटे। खग मृगकोलकिरातबिकलसबगेजनुसर्वसलूटे ॥ पूरिगईन भधूरिधराधरदिगपालनउरकांप्यो। कोहैमाथजेहिजात छलेखलशोरसकलजगब्याप्यो ॥ अबक्षोहिणीदलद बाइलियोबिपिनआठहूओरन। धायधरोतियतारकम र्दनसहितक्रातबरजोरन॥ मंदेद्दगनदेबिदेखतकोउकहेउ उचितबधनाहीं। बालवृद्धतियरोगीनरजोवहिमारेजन्म नशाहीं ॥ सुनिकनसोयमदअंधदीर्घतबकहयोसवनल लकारी।हतौवेगिबालाबालापुनिपितुममदीन्हनिसारी॥

सुनिसमकेसमूहसमरथखलखरभरभाचहुंतीरन। पर
शापरिघगदातोमरअसिबाणदृष्टिकियोबीरन॥ लखि
बांकुरीभ्रकुटिजाकीनितकँपैकालमनमारे। तापरशस्त्र
प्रहारकरैंजड़जेइच्छातनधारे॥ भैब्यतीतयुगयामजन
निकहँशस्त्रगुफायहिभांती। सुरकिन्नरनशोरकीन्होपुनि
भैअतिबिकलकिराती॥ सुनतशोरबोलामदंधतबवेगि
सुभटसबधावो। हैसबहीप्रकारद्रोहीयहधरतबिलम्बन
लावो॥ बिधिसुरेशसनकादिसकलमिलिबिनैमनैमन
करहीं। आतुरहनैमातुइनहींअब हमसबअतिहीडर
हीं॥ भईप्रगटतबज्वालजनानिमुखअद्भुतअमलप्र
चण्डा। जरेसकलसुरसन्तबिरोधीजेअतिप्रबलप्रच
ण्डा॥ धूमधूम्रततक्षणभस्मासुर भस्मजनितउठिभा
गा। सुरशशिमौलिकरैंजैजैसब सहितउमगअनुरागा
६४॥ कामकाजानामहादेवजीकेपासऔररतिकोमनाकरना॥
रतिबचन॥ शिवसनकीजियेजनिरारि। देवतासबस्वा
रथीनिजलीजियेसोविचारि॥ भवनभूमिभँडारभूषणवा
जिगजरथभारि। पुण्यपरउपकारकेसमकछुनपरतनि
हारि॥ पुण्यपालनशीलस्वारथअरुजितेजोआरि। देह
बिननहिंहोतएकौसोतुम्हैंनपियारि॥ जीवजड़चेतनज
हांलौअंडकोशमँभारि। सदासबकोकीन्हवशमैंतूडरत
किमिनारि॥ एकक्षणमेंसंहरतसबसृष्टिनैनउघारि। जी
तनेतुमजातनिजबलत्रासतासुविचारि॥ हैबचनतुवस
त्यपरमैंगयोजोह्वांहारि। प्राणहूपरकाजदीजैकहतहैंश्रु
तिचारि॥ प्राणदीन्हेहोइकारजसोउजीतितुम्हारि। त

दपिमोहिंसंदेहकेसहुजागिहैनपुरारि॥देउरचित्रऋतुराज रचनामोहनीनिजडारि। तेहूपरजोजागिहैनाहिंबाणदे हौंमारि॥दीन्हरतिशशिमौलिअज्ञाकालप्रबलाबिचारि। परमधामपठाइहैशिवडारिहैजोजारि ६५॥ कामबचन॥ शिवशरणागतपालसदातूचितचिंताकितश्चानी। भाव कुभावअनखआलसजमुहातौनामबखानी। बुधिबिद्या कीरतिगतिमतिसबसिद्धिसुलभकरिमानी॥ कामीकुटि लकपटिकायरखलबचननमेंछलसानी। कीन्हतिन्हेंकृ तकृत्यकरुणानिधिजेअघपुंजनिदानी॥ त्रिपुरादिकम तिमन्दमहाजड़जगजिनकीगतिजानी। तारितिन्हेंभव सागरतेप्रभुपठयोनिजअस्थानी॥मेंतौसुरस्वारथकेका रणकरतनिछावरिप्रानी। यहिस्वारथकोलाहसुसुखितू परमारथकरिमानी॥ देहौंजाइजगाइशिवहिजबताजेइ रषाअज्ञानी। पैहौंपरसपदारथपदजोकोपकदाचितठा नी॥ कोपकृपादृष्टीदोउहरकीसुरपुरकीसोपानी। ताते भजुशशिमौलिसदाशिवदीनअखिलकल्यानी ६६॥ ज्ञानाकामका शिवकेपास॥ मदनधनुबाणगहिशिवयोगज गावनजात। पशुपक्षीनरनागसुरासुरउरउमंगउमड़ा त॥ सरससरिताबनबागजहांलौमदमातेदरशात। गिरि परजाइरचीरचनाबहुशिवसोंकछुनबिसात॥ माराबाण हृदैताकितबहींबैठोछिपिद्रुमपात। खोलानैनचकितह्वै शंकरकेहिंकीन्हाउतपात॥ देखिपरामनसिजजेहिअब सरभस्मभयेसबगात। सुनिपतिगतिरतिजाइशरणमें बारबारबिलखात॥ लागिदयाबरदानदियोतेहिहोइहै

हरिकोतात। बिनाअंगब्यापैसबजीवनमानुहमारीबात॥ जनशशिमौलिनामयाकोअबहैअनंगबिख्यात ६७॥ देवतनकीस्तुति॥ आयेदेवसकलकेहिकारन। सहमिसुखा इरहेसबकेमुखकीन्हमहाबिस्मयजनुधारन॥ तारकऽसुर भयोप्रकटमहाजड़कीन्हेसिदंडअनेकप्रकारन। सुरमुनि धेनुमहीभइब्याकुलतुमबिनकोकरैशोचनिवारन॥ बोले बिहँसिमहेश्वरतबहींजनिडरपौसुरकिन्नरचारन। करि हौंतोषतुम्हारोसबविधि कह्योयतननिजमतिअनुसार न॥ नाथसुवननवषटमुखहाथनरिपुबधब्रह्मकरतउचा रन। पारबतीपुनिकीन्हबड़ोतपकरियब्याहसुरबिपति विदारन॥ किंचितउचितनहींयहमोकोपैअतिकठिनब चनतुवटारन। ऐसैहोइकह्योकरुणानिधिशिवशशिमौ लित्रिलोकउबारन ६८ जैअजअखिलेश्वरस्वामी। स र्बज्ञसदाशिवअन्तरयामी॥ वृत्रासुरअतिमतिहीना। मुनितापसएकनचीन्हा॥ सबलोगनबहुदुखदीन्हा। य हकुटिलमहाकपटीअरुकामी॥ प्रभुआतुरताहिसँहारो। पृथिवीकरभारउतारो॥ शरणागतलाजबिचारो। शशि मौलिकहैप्रणमामिनमामी ६९॥ आनासप्तऋषियोंका॥ हौ तुमकौनकरौतपभारीहमसनकहौकुमारी। यहिगंभीरघोर दुर्गमवनबिकटमहाभैकारी। ताबिचबसतिडरातनकाहू कोमलवैसतुम्हारी॥ रजकंकरकुशाकंटकठिनक्षितिआ तपबारिबयारी। सोसबसहतअकेलिरहतानितजहँअग णितबनचारी॥ जानिपरोजेहिनगरबसातितुमतहँनबस तनरनारी। जोपुनिबसतिहोइहँगेअतिजड़पीरनजान

पशारी ॥ कैसेहैंवेमातपितादोउजिनयहनीतिबिचारी। लागतदेखिदयामेरेमनहैसपनोनचिन्हारी ॥ काहूबिधि वनयोगनहींतुमकर्मनकीगतिन्यारी । हंसकिशोरिकिडा वरलायककमलकिकुंतमँझारी ॥ लक्षितभयोभेदअब हमकोप्रबलप्रतापनिहारी । मूरतिवंतितपस्याहौतुमक न्याकीअनुहारी ॥ कीधोंआदिशक्तिसरगुणकैलीला काजसिधारी । वेगिकहौशशिमौलिकथानिजश्रीमुख राजदुलारी ७० मुनिबरमनसंदेहहमारी । शिवअवगु णजेजेतुमभाषेतेतेहरउरधारी ॥ योगीजटिलअकामातु रशिवतुमजोकहतपुकारी । नरनारायणरामऋषभहरि सोइकीरतिबिस्तारी ॥ क्रोधीकृपणकुवेषबिरागीश्रुति मारगसोंन्यारी । परशुरामबामनशूकरध्रुवबोधबिदित जगसारी ॥ अगिनिमहीजलपवनगगनमहँबिचरतत्रा सबिसारी । यज्ञपुरुषपृथुमीनहंससोइसनकादिकअधि कारी ॥ सिखतसिखावतपढ़तपढ़ावतपैकठोरताधारी । दत्तत्रैधन्वँतरिकपिलपुनिब्यासकमठअवतारी ॥मारण उच्चाटनअरुमोहननिरदैयुद्धकरारी । नरहरिकृष्णमोह नीकलकीसोहयग्रीवनिहारी ॥ उतरनआवेउमाबचन नकोमुनिमनहींमनहारी। प्रेमपुलकिशशिमौलिभरेदृग मातुचरणबलिहारी ७१ आंखिनकोशोचहरैंगेकबधौं पुरारी॥मासअषाढ़सदासहशील।छायेगगनघटानवनी ल॥नृत्यतमोरनिरखिछबितौन। शंभुकृपाकरिहैंदिनकौ न॥क्षमैंगेचूकहमारी १ सावनजलबूंदनझरिलाग।जागे जलजीवनकेभाग ॥ हरषिहिंडोलनझूलैंबाम। मोहिं

मिलिहैंकबचंद्रललाम ॥ तिहूंपुरआनँदकारी २ भादौं नभघनघोरघमण्ड । भैबरषाबौछारअखंड ॥ दादुरजल सेवैंसुखपाय । मैंदेखिहौंचरणनकबजाय ॥ हरणपूरुब दुखभारी ३ क्वारकमलफूलेसरनीर । लागबहैशशिमौलिसमीर ॥ भईअकाशगिरागम्भीर । जाहुउमाजननी केतीर ॥ सुफलभइआशातिहारी ४ । ७२ ॥ मलार ॥ छायेगगनबादलश्याम । ऐसहीशिरजटाशिवकेसकल जगबिश्राम ॥ दामिनीद्युतिदुरतउघरतअमलआठौ याम । शंभुकेमुस्कातयोहींदशनद्युतिअभिराम ॥ बोलैं दादुरमोरझिल्लीबचनमंगलग्राम । याहिभांतिनरटतक्कै हैंशंभुगणशिवनाम ॥ देखिपरतअकाशऊपरधनुषरेख ललाम । भृकुटिबंकमहेशजीकीयाहिबिधिप्रदकाम ॥ ब्योमपरबकपांतिसोहैमनोमुकतादाम । मुंडमालबिशालहरउरऐसहीशुभधाम ॥ ध्यानमेंशशिमौलियाबिधि उमापूरणकाम । देहिंऐसीशरणजेतजिताहिबिधनाबाम ७३ ॥ जानामहादेवजीकापार्वतीजीकेपास ॥ द्विजरूपक्कै शिवगये । जहँमगनगिरिजागूढ़गतिवयनैननयननत ये ॥ करिप्रथमभिक्षायाचनायहिभांतिभाषतभये । कमलाक्षीनृपकन्यकाकेहिकाजगृहतजिदये ॥ सुकुमारिसुन्दरअंगतुवजिमिकमलकोमलनये । हिमशैलवनकीबिषमताकिमिसहजहीसहिलये ॥ हँसिमनहिंमनकहयो उमातबतुमयाचकीछातिभये । शशिमौलिवृझबउचित नहिंदातव्यकृतअर्थये ७४ पथिकतुमकिंघेतेआये । केहिपठयोअरुकाकेआयेकासँदेशलाये ॥ यहिबनअगम

नगमिकाहूकीसुरशंकाखाये । करिकुरंगकपिभालुभुअं गमसिंहफिरैंधाये ॥ मैंशंकरअनुरागबिबशह्वैसुधिबुधि बिसराये। शिवसेवकनाफिरौंढूंढ़तजेगृहतजिबनछाये ॥ सुनिशंकरकेबैनबिमलबरबारिद्दगनताये । मेरेजानदि गंबरतुमहींद्विजह्वैदरशाये ॥ जोयाबिधिबिश्वासतुम्हा रेतौमोमनभाये। अबशशिमौलियहीतुमजानोजनुदरश नपाये ७५ द्विजतपसीमैंपरमभिखारी। मांगतभीखयही जोपावोंकहियकथानिजबचनबिचारी ॥ यदपियाचकन होतउचितनाहिंदातासोंचरचाअधिकारी। तदपिमृदुल तनतपबिलोकियहआपनपौमैंदीन्हाबिसारी ॥ बोलीमा तुमगनशंकरछबिक्षितिशिरनाइद्दगनभरिबारी । गिरि कन्यालघुबैसबहुरितियकेहिगिनतीतपमाहँहमारी ॥ना रिचरितजहँऔरसकलबिधिहठहुतहांतुमलेहुविचारी। सोईहठयहआहिनतपकछुचाहतशिवदासीपदभारी ॥ दुराराध्यनिर्व्याधिसदाशिव मिलतनयोगिनयोगमँभा री। आगमनिगमबिदितवेदहिजेतासुदरशचहैंहमजड़ नारी॥ जानतयहहकठिनताताहुपैरहतनमनसंतोषसँभा री । सबबिधिनिजस्वारथकीसंगिनिहठमूरतिबिधितर हिसँवारी ॥ याहीतेनहिंकहतकथानिजसुनतहँसैंकहैंनि पटगँवारी। तुमशुचिशीलकृपामंदिरद्विजकरियक्षमास बअविनयसारी॥ गुणगरुताधनधामबसनमणिकाहूकी इच्छानहमारी । दीजैसोइबरदानदयाकरिजेहिशशिमौ लिमिलैंत्रिपुरारी७६ लखिशिवगिरिसुतातपमहा। सुनि विनैपुनिमधुरबाणीद्दगनसोंजलबहा॥ प्रेमवशसुधिसक

लभूलीधीरज्योंत्योंगहा।ह्वैमगनमनपुलकितनपुनिवच
नयाबिधिकहा॥मैंअकिंचनदीनभिक्षुकजन्मभरिश्रमस
हा। होतजोबरदेनलायकक्योंननिजदुखदहा। ऐसही
गुणगुप्तराखैंज्ञानगतिजिनलहा। हौंबड़ेशशिमौलिस
मरथतापसीतुममहा ७७ हौंतुमनहींभिखारी। आयेकृ
पाकरनकेकारणदीननकेहितकारी॥चिताभूमिसमकठि
नबिपिनयहसहजभयावनभारी। सुरकिन्नरनअगमता
महँतुमबिचरतइच्छाचारी॥कीशिवकेसन्निधिबासिनमें
कीशिवकेअवतारी। काहूभांतिझूठनहिंहोइहैनिश्चयस
त्यहमारी॥ कहँईश्वरकहँदीनअकिंचनअसकसकहौंकु
मारी। उनकेतपबलसोंबिशेषिमैंआयोंबिपिनमँझारी॥
रहतअधीरसदामेरोमनजबलगिबिलगपुरारी। भयोस
धीरअवलोकितुम्हैंसो यहअचरजअधिकारी ॥ जो
चाहौंसोहोउसकलबिधिमेरेपैंउपकारी। देहुवेगिबरदा
नदयाकरिशंकरभक्तिपियारी॥ मनहींमनमुसक्यायशं
भुतबमृदुबाणीउच्चारी। काहूभांतिनबरलायकमैंमनमहँ
लेहुबिचारी॥ हैपरंतुबिश्वासजोतुमकोतेहिबलकहतपु
कारी। पूजैंशिवशशिमौलिमहाप्रभुमनकामनातुम्हारी
७८ बिदाह्वैशंभुगयेकैलास। बारबारसुमिरतकरुणानि
धिगिरिजाकोबरबास॥ प्रियपरिजनपुरजनापितुमातास
बबिधिसुखदसुपास । मेरेकाजत्यागिसोतृणसमसहे
बिषमतनत्रास ॥ पंचवर्षबैबालसखिनसँगबालाबिनोद
प्रहास।सोकियोगजपतपसंयमकेतजिसुखसदनानिवास
ब्यंजनबिबिधजासुभोजनहितधरेमधुरतारास। सोत

जिकंदमूलफलहूकोकरैकठिनउपबास ॥ पैपायसपकवानपूपदधिजेहिजेऊरनिवास । बेलपत्रअरुशाकउचिततेहिभोजनबारिबितास ॥ ऐसेकहतव्यापिगयोमनमेंपूरबकोइतिहास।देखोंमैंउपचारनारिसोभयोअदोषउदास॥ जाकोनामसहजसुमिरणकरहोतअवज्ञानास।पतिप्रतिकूलहोइसोसपन्योमोहिंनहींबिश्वास॥सियस्वरूपधरिलेइकितियकोउबदतवेदबिधिव्यास । यहअनन्यगतिगूढ़गिराकछुअलखितदेहाभ्यास॥मेरेजानदोऊसम्मतकरिकीन्हसुचरितप्रकास।रसबियोगशृंगारसुकौतुकलीलाललितबिलास॥ अबशशिमौलियहीइच्छाममकहिकहिलेतउसास।कबहुंसुशक्तिशक्तिलीलायहआवैनमेरेपास७९॥निमंत्रणबिवाहका॥हमहैंहिमनगरीकेनेगी।सुताब्याहमिसदीन्हनिमंत्रणचलोतासुहितबेगी॥ उदयअस्तअरुऋष्यमूकपुनिविंध्याचलचलिआयो।गिरिमैनाकत्रिकूटकामतागोबर्द्धनसुनिधायो॥अपरशैललघुदीर्घजहांलौंसहकुटुंबपगधारे । बनीनहींबिनमेरुकह्योहिमवैशिरमौरहमारे॥नारदवचनसुताप्रणशिवहितमोहिंखबरिजबआई । महाकठिनसंयोगजानिजियअबलगिव्याकुलताई॥आजकहामैंदेहुंतुम्हैंजोयहसंदेशसुनायो। हिमसमानकहौकौनसदाशिवजेहिजामातृकहायो॥शिरभरजाउँउचितमोकोअबअसकहितुरतसिधायो । कहिनजाइशशिमौलिबड़ाईनेगिनजोकछुपायो ८० जातचलेगिरिजहिशिवव्याहन। विविधबरातबनीबहुबिधिसोंहोइँशकुनमगउमगउछाहन॥हंसचढ़ेबिधिविष्णुगरुड़पु

निइंद्रचढ़ेऐरावतबाहन । तिनमहँबैलचढ़ेशिवयोगीपु
रबनितालखिलागिसराहन ॥ देखसखीबरकीसुंदरता
जनुबिरच्योबिधिनहिंनिजबाहन । देखिपरतदुलहीन
हिंजगमेंजैसेयेत्रिभुवनचितचाहन ॥ सुनिमुसकाहिंमहे
शमनहिंमनदीनानाथदुखीदुखदाहन। जनशशिमौलि
बुरोनहिंमानैंसमदरशीसबजगतनिबाहन ८१ ब्रह्मअ
द्वयवेदजिन्हेंगावै। जातब्याहैसोईशंभुगिरिनंदनिहिगा
इजसजीउजेहिभक्तिपावै ॥ सोहैशिरपरजटाजूटअहि
मौरछबिकानकुंडलउभयव्यालराजै। नागउपवीतहिय
कंठविषचिह्नकटिमेखलामध्यअहिअमितभ्राजै॥ पाणि
कंकणलसैलघुनभुजगेंद्रकेचरणनघूघुनसरपाक्षपोढ़े ।
शूलडमरूलिये भस्मधारणकिये चढ़ेबरबैलगजखाल
ओढ़े ॥ देखिशृंगारयहईशकोदेवकरैंहँसिबादबोलैंसु
बानी । जक्तदूलहीनदूलहकेलायककहूँधन्यजगजन्म
जोहोतरानी ॥ सुरनकोबोलिहँसिकह्योतबविष्णुह्वैजाहु
सबबिलगलैलैसमाजै। अनुहारिबरकेबरातीनहींदेखि
यतहँसहिंपुरलोगसुनिसकललाजै ॥ देवमुसुकानसुनि
बैनहरिकेसबैवृंदनिजजनलैलैसिधारे । हँसैंमनहींमनै
शंभुहरिसोंकहैंभलेकौतुकीसंगीहमारे ॥ प्रेरिभृंगीबुला
योसखायूथसबआईभूतादिकनकीजमाती । कहैशशि
मौलिमगहोहिंकौतुकमहाजैसबरबन्योतैसेबराती ८२
शंकरकीभलिबनीबरात। भूतप्रेतबैतालबिबिधबिधिअ
रुयोगिनीजमात ॥ कोउपशुमुखएकमुखअनेकमुखमुख
सोंकोउहकलात । यकशिरदोशिरतीनशिरबहुशिराशिर

बिनकोउसमुहात ॥ बहुरसनारसनाविहीनकोउदुइरस नासोंखात। रसनामुखबाहरकाहूकेदेखिसबैसकुचात॥ कोउयकदृगबहुदृगत्रिकोणदृगकोउदृगबिनदिखरात। कोऊलूलदृष्टाअदृष्टकोउकाकदृष्टिदरशात॥ हृष्टपुष्टअ ष्टांगबक्रकोउकाहूकृशाकीगात। लंबोदरकोउउदरखला येकोउबिनउदरलखात॥ गजपदकोउयकपदअनेकपद पदसोंकोउलॅंगरात। धावतउड़तउलंघतकूदतलोटतम हिकोउजात। देखतअशुभवेषभूलौंजनिमहिमामेंअधि कात ॥ हैंशशिमौलिपियारेशिवकेइनसमकौनसुजात
८३ निरतैंभूतगणचहुँओर। कोउबजावतकोऊगावत कोउमचावतशोर॥ सद्यशोणितभरेतनमहँयोगिनीलि यसाथ। भसमअंगभुजंगभूषणमुंडलीन्हेहाथ ॥ महि षश्वानशृगालकेहरिधरेरूपअनेक। देखिबेकोबिकटमू रतिसदाशिवपदटेक॥ सुरनहूतेअधिकमहिमाकहतहैं श्रुतिशेष। रीझिबेहितशंभुकेअदभुतबनायेवेष ॥ हेरि हासबिलासतिनकोदेवतामुसुकात। बनोबरशशिमौलि जैसोताहिभांतिबरात
८४ बाजभुवंगमभूषणभृंगी। सु निधुनिधायेभूतभयंकरयेछबिअड़बंगी ॥ खगमृगमनु जरूपकीन्हेकोउकाहूवेषभुजंगी। वृकबाराहव्याघ्रबेसर वृषधरेदेहबहुरंगी ॥ आइनाइशिरशंभुचरणरजताजि स्वभावचितभंगी। लगेकरनकौतुकनानाविधिनाचस्वां गसर्वंगी ॥ कोउमृदंगडफढोलबजावतकोउशृंगीसारं गी। गावतसजेस्वांगसबहीविधिगतिथेईथेइथंगी ॥ मु सुकानेकिन्नरकोविदबिधिलखिबरातयहनंगी।धनिशशि

मौलितपस्याउनकीजेशिवकेसतसंगी ८५ शंभुबरा
तनगरनियरानी। जाउबेगिसबसजिअगवानी ॥ पहि
रेपटभूषणभांतिनबहुबालकसबसुनिहिमगिरिवानी। क
रिदियोभेंटसंगपुनितिनके मणिअभरणखगमृगअस्था
नी ॥ बाजेशंखपणवदुंदुभिनभहैंगैभीरनजाइबखानी।
होहिंशकुनसुन्दरसबही बिधि जातचलेअतिहीसुखमा
नी॥ चर्चितचारुसुगंधनसोंशुचिबीथिनबहुशोभासरसा
नी।नूतनदिव्यदूरबाढउदिशिसुमनझाड़इतउतलहिका
नी॥ गेजबनिकटलख्योसुरवृंदनाशिवमर्यादासबनबखा
नी। किन्नरनागवरुणचारणगणगंधर्वनकीसैनसयानी॥
शनीशुक्रअरुसकलऊड़गण ग्रहरबिशशिकीछबिसबन
सुहानीं॥निजप्रतिबिंबराखिनिजलोकनआयेशिवसँगहि
मरजधानी ॥ आदितयक्षकुवेरामिलेपुनिमुनितापसयो
गीविज्ञानी। तापीछेऐरापतिऊपरसुरपतिआवतसबहुन
जानी ॥ बूझतबालअयानबड़नसोंदूरिकेतेहदूलहसु
खदानी । याबिधिसंगबरातीजाकेसोकिमिहोइसहाछ
बिखानी॥ हंसअरूढ़लख्योविधिकोजबसबलरिकनजो
रयोयुगपानी । हैयाहीबरबुधिविद्याधरसुनतबरातसक
लमुसुकानी॥ खगपतिपृष्ठिरमापतिकोलखिलरिकनरा
रितहाँतबठानी । अबहयाँसोंहमजाइँकहूँनहिंशंभुयही
जेहिध्यावतध्यानी ॥ बोलेविष्णुसुनोबालकसबहमतो
न्योतहरीसबप्रानी । हरछबिबरसंगीवरबाहनदेखतही
सबकेमनमानी॥ ऐसहिकहतपरोखरभरतबधूरिगगनमं
डलमड़रानी। प्रेतनदेखिभगेबालकसबसुनिशशिमौलि

उमाहरषानी ८६ शंकरत्रयतापहरनअसरनशिरछत्रध रनपतिततनपावित्रकरनइतरनअघशमनहै । जगमगज गजासुअंशाध्यावैसुरकरिप्रशंस वृषपतिचंद्रावतंसत्रि भुवनदुखदमनहै॥गंगाजेहिजटाजूटपापिनकरपापछूटदे वनहितकालकूटकीन्होआचमनहै । सोईशशिमौलि स्वामिशोभासुखसुकृतिधाम आयोहिमवन्तग्रामगिरि जाकोरमनहै ८७ शिवकहँलेनचलेअगवानी । नूतनप टपहिरेपुरलोगनछविनहिंजातबखानी ॥ बहुबाहनवा जंत्रबजैंबहुहोइसगुनशुभखानी । पहुंचेजाइबरातनिक टसबभेटलियेमनमानी ॥ इंद्रविरंचिबिष्णुसंगिनलखि शिशुमंडलीलुभानी । शंभुसमाजविलोक्योजबहींमुख द्युतिसहमिसुखानी ॥ चौंकिचितैगजबाजिचकितचित भागेभयउरआनी । रहेसयानठाढ़धरिधीरजबालकसै नपरानी ॥ कंपितगातगयेघरघरसबमुखआवतनहिंबा नी।समुझावतपितुमातुसबनकहँपूछतिगतिगहिपानी॥ वृषभअरूढ़कपालव्यालधरभस्मअंगलपिटानी।योगी जटिलनगिननिरलज्जाबरबाउरअज्ञानी ॥ भीरभूतबै तालनकीबहुताकेसँगसमुहानी । ऐसिबरातसुनीनहिंदे खीयमसैनासकुचानी॥ रहीजियतजोदेखिबरातिनपुण्य बड़ीहमजानी । हमरेजानआजुहिमनगरीसबकीआयु तुलानी ॥ मुसुकानेपितुमातुसुनतयहकीन्हशिशुनभय हानी । हैंशशिमौलिसदासबलायकशंकरअवघड़दानी ८८ हिमगिरिपवरिप्रशंसालायक। द्वारचारहितहैंठाढ़े जहँजगदीश्वरजगमंगलदायक॥वृषभअरूढ़कपालशू

लधरगंगाधरसुरसिद्धसहायक । विषधरभूषणशीशसु
धाधरनयनतीनित्रिभुवनमनभायक ॥ सगणइंद्रबिधि
बिष्णुबरातीभूतादिकशंकरप्रियनायक। सुरसरिताबन
शैलजहांलौंजनवातीआनँदउपजायक ॥ बरषिसुमन
सुरदेहिंदुंदुभीगावैंगुणीनृतैंनिरतायक । धनिशशिमौ
लिउमाशंकरद्वउधनिमैनाधनिहिमगिरिनायक ८९ बं
दनवारबँधेहिमद्वारे। ध्वजापताकपोहिमाणिकमणिकारि
बहुयतनसवाँरे॥ पद्मरागफूलनसंयुतशुचिसोहैसुरनके
बारे। मृदुमंगलमर्य्याददेहरींजेहिसबसुरनजुहारे ॥ ता
सुवामदक्षिणदिशिदिगमगदिव्यदीपकनबारे। कंचनक
लशभरेगंगाजलसखियांशिरनसँभारे ॥ पानफूलदधि
दूबरोचनाभरेसूबरणथारे । धरेमुनींदनिकटनानाबिधि
बस्तुअनेकप्रकारे ॥ सुरप्रतिमावरबिमलवेदिकाआचा
रजनसँवारे ९० मैनाआरतिकरनसिधारी। प्रज्वलित
करिकरपूरसुगंधितसजिसुबरणकीथारी ॥ संगसखीसौं
भाग्यवतीसबपहिरेनूतनसारी । मंगलगानकरतअति
छबिसोंजयगिरिजात्रिपुरारी ॥ छोंड़िदईफुफुकारसमय
तेहिव्यालमहाभयकारी। ह्वैसभीतभागींसबसखियांवि
कलभईमहतारी ॥ कोउशोचतकोउमौनमहादुखकाहू
दृगनबहीवारी । हाहाकारपर्य्योतेहिअवसरसबरनिवा
सदुखारी ॥ मातातबलियोबोलिउमाकहँकहतिगोदबै
ठारी । जेहिबिधनाविरच्योममकन्यहिबरकसरच्योवि
चारी ॥ जेफलउचितदेवद्रुमडारनलगतबबूरमझारी।
कहँममराजसुतासुंदरशुचिकहँबरनिलजभिखारी ॥ का

नसाइडारोमैंमुनिकरबसतजोमोहिंउजारी। सांचौमाया मोहनजाकोसबहीकरअपकारी ॥ गिरितेगिरौंजरौंबूड़ों जलकन्यारहैकुमारी। जियतनब्याहकरौंकाहूबिधिहोइ अयशाचहैभारी ॥ ऋषिनारदआयेतेहिअवसरबाणीम धुरउचारी। गिरिजाशिवसंयोगसनातनबदतवेदमुनि भारी ॥ जगदीश्वरिजिगदंबजक्तप्रियसबकीसिरजनहा री। लीलाकरनकाजसर्गुणह्वैभइसुकुमारितुम्हारी ॥ पूर बजन्मरूपासियकोधरिदक्षभवनतनजारी। सोइशशिमौ लिप्रकटितुम्हरेग्रहयहलीलाविस्तारी९१॥ नारदवचन॥ मनमेंधीरधरौसबकोई। गिरिजाशिवसंयोगसनातनमा तुपिताजगजोई। पूरबकल्लुलीलाकेकारणसीतारूपधरो ई ॥ पतिहितत्नागिजरीपितुकेमखतुवग्रहप्रकटीसोई। भरोविलासताकेत्रिभुवनकोथितिपालनलैहोई॥ लीला हीकेकाजसगुणह्वैव्याहउछाहरचोई। एकभावयकरूप एकगतिदेखतहीकेदोई ॥ हिमकैलासप्रकटयाहीतेसुमि रतरैजेहिलोई। ह्वैनिश्चिंतरच्योरचनानिजसंशयडारो खोई ॥ शिवशशिमौलिसदागिरिजाप्रियप्रीतिपुरातन गोई ९२ चरितसुनिशंकरकेमैना। धीरनधरतकरतअ तिहीभयभरिआयेनैना ॥ यहपुत्रीपूतरिअँखियनसीपा ल्योदिनरैना। ताहिदईदीन्ह्योबरबाउरमेटयोचितचैना॥ कहँ यहकमलमुखीममकन्याकोकिलसीबैना। कहँयेशै लपतीसँगजाकेभूतनकीसैना॥ तोष्योतबशशिमौलिम हामुनिकीजैकछुभैना। यातेअरुशिवसोंकाहूबिधिदूस रिगतिहैना९३॥ गिरिजावचन ॥ सबकरकर्महीपरधान।

गुप्ततेभयोप्रकटजोकछुकर्मपथदरशान ॥ कीन्हजोनर पक्षइच्छाकर्मतीक्षणलागि । एकतेसोअनेकहैगयोकर्म केअनुरागि ॥ कर्मतेमहत्तत्त्वतासोंप्रकटआहंकार । त्रिगुणकेवशाकरमहीतेरुद्रबिधिकरतार ॥ कर्महीसोंतत्त्वपांचौदशोइंद्रियद्वार। देघतादशाकर्महीसोंभयोविराटमभार ॥ कर्मतेब्रह्मांडयहअरुइसीतेभयोजीव । कर्महीसोंकलाबिकलाअंशआतमसीव ॥ अमलमेंऔदुःखदोषित अनखअघबहुवेख । कर्महीसोंहैंसतसबकेशुभाशुभके देख ॥ सत्यभूठप्रशंसनिंदाकर्मकेअनुसार । देवदनुजलिलारसबकेंकर्महीकोभार ॥ कर्महीकेबिबशजोजेहियो निदेहअरुऐन। वेदमगमीमानसासोइप्रकटाजिनमेंबैन॥ दोषकाहुनदेउतातेमातुममहितपाइ। कर्ममेंशशिमौलि जोममसोकियघटिबाढ़िजाइ ९४ भईमैंशंभुकीदासी । जियजनिशोचकरौकछुमातामुदमंगलरासी ॥ भस्मकपालकथासुनिसुनिसबलोगकरैंहासी । करुणाशीलक्षमाछबिकोनिधिसबबिधिकैलासी। काजानैशंकरकीमहिमाहिमागिरिकेवासी ॥ दूषणरहितव्यालभूषणशिव अव्ययअबिनासी । जरतसुरनकियोपानविषमाविषसुधामधुरतासी ॥ शंकरसरिसकहौत्रिभुवनमेंकोबुधिबलरासी। कोटिकरैजपयोगयतनबहुभजैनपतिकासी । कहैशशिमौलिकटैकबहूंनहिंतृषणाकीफाँसी ९५ ॥ शैलपतिकीदासीभईमैं। राजपाटसोंकाजनमोकोसंन्यासीसँग वासीभईमैं॥ अबकाहेकोमोहकरौतुमनिजकुलकीउपहासीभईमैं । शिवशशिमौलिरमापतिकेममचरणसेवकम

लासीभईमैं ९६ ॥ बसेरीमनमेरेमाईमरदनमैन । कीन्ह
यद्पिजपयोगयतनबहुतदपिनहींचितचैन ॥ जिज्ञासू
यज्ञनजारोतनजलशायीजलशैन । सपनेमाहँमिलैंनति
न्हैंशिवसुखशोभाकेऐन । ब्रह्माजाकोपारनपावतगुणगा
वतदिनरैन ॥ सोकिमिसुगमअगमगोचरज्योंकहतनिग
मनिजबैन । साँचीसप्तऋषिनकीवाणीमनबांछितसुखदै
न ॥ पैशशिमौलिदरशदेखेबिनआँखियांधीरधरैंन ९७॥
पूजनयोग्यउमामाईरी । आदिमहाविद्यामूरतिजनुशैल
भवनमैंअस्थाईरी ॥ जगमगज्योतिज्वालशतकोटिन
कोटिछटाकरिछबिछाईरी । हरतकोटिमुसक्यानिमनोहर
रबिशतकोटिप्रभापाईरी ॥ बिक्रमकोटिमारकंडेमुनि
कोटिनबिधिबुधिनिपुणाईरी । ज्ञानगणेशकोटिकोटिनस
मकोटिमदनसुंदरताईरी ॥ कोटिनशुक्रसजीवनदातासु
रगुरुकोटिनचतुराईरी । सुरपतिकोटिराजचिह्नयुत
कोटिनिगमगुणगरुआईरी ॥ धारणशक्तिधराधरकोटि
नकोटिधनदसुखसरसाईरी । कश्यपकोटिकोटिस्वायंभू
समसृष्टिरचनबिधिप्रकटाईरी ॥ देखिसुताअनुहारिठी
कतुवजनिजानैहिमकीजाईरी । हैशशिमौलिपरेपरमेश्व
रिमनबचकर्मकरुसेवकाईरी ९८ ॥ तेरीगतिअगमअ
पारभवानी । हारेश्रुतिसिद्धांतसराहतथाकितभयेकबि
कोविदवानी ॥ कैसोउकोउपापीअपराधीकामीकुटिल
अबुधिअभिमानी । एकैकोरकृपाकेहेरेह्वैगयोसिद्धबिर
तिविज्ञानी ॥ जगसिरजनिजगपालनहारीजगनाशनि
तोहिंश्रुतिनबखानी । करिशशिमौलिहृदयनिजआश्रम

सहितमहेश्वरहेमहरानी ९९ ॥ तूसमकोसमरथमहरा-
नी। बरदायनपरगतिपारायनशीलकृपाकीखानी ॥ ए
कौबातबनेकहुँधोखेद्दढ़करिउरनिजआनी। सोफिरिको
टिकरैकेतनौअघतेहितिनकौनाहिंमानी ॥ जहँजहँगाढ़
परोदासनकोसकुचौअवसरजानी। कीन्हसहायततक्षण
ताकीहरीसकलगिल्यानी ॥ असजियजानिजपैनहिंजो
जड़तासोंकोअज्ञानी। जनपालनपोषनपरितोषनमहि
मावेदबखानी ॥ पूरिरह्योब्रह्मांडसुयशतवधर्मध्वजाफ
हरानी। बसौसदाशशिमौलिहृदयबिचसहितमहेशभ
वानी १०० गयेजबशिवमणिमयमाड़ौतर। देख्योता
हिमहाअभरणयुतहै बिरचोजनु बिसुकरमाकर ॥ म
हारजतकेखंभबिराजैं मुक्ताहलतोरणछबिछाजैंमानिक
दीपप्रभाबहुसाजैंसुवरणतारपत्रनछायोवर। बोलेशं
भुसुनो हिमराजाबड़ेद्रव्यतुममाड़ौसाजा आगे जेकरि
हैंयहकाजाकहँपैहैंइतनीसंपतिनर ॥ तातेममबचननम
नलावोकुशबाँसनसेमाड़ौछावो द्रुमकदलीकेखम्भगड़ा
वोतोरणपत्ररसालमनोहर। प्रणतपालकेबचनसुहाये
सुरनरमुनिसबहिनमनभाये गिरिहिमवानचरणशिरना
येसोइकीन्ह्योअज्ञाजोकह्योहर १०१ गेकैलासमहे
श्वरधावन। जाइकह्योकदलीरसालसोंआयेतुम्हैंहम
वेगिबुलावन॥सुनिधायेआयेशरणागतबोलेबचनबिनी
तसुहावन। जेतनभंगहोइहैहमजड़कोजोप्रभुकेकारज
कछुआवन॥ हैपरन्तुअसमंजसप्रभुयहुजबऐहैकलिका
लअपावन। तबबिनकाजकाटिहैंहमकहँनरमनिहैंनाहिं

वेदसिखावन ॥ प्रथमछेवमेरेमाथेपरदूसरहरनिजशीश
चढ़ावन । तीसरछेवबिरंचिधरैशिरजोकुठारबिनकाज
चलावन ॥ सुनिशिरनाइबनेमाड़ौबिचकोउडीवटिकोउ
खंभसेरावन । कोशशिमौलिसदाशिवकेसमदीनानाथ
प्रणतदुखदावन १०२शिवशोभानहिंजातिकहीरी । मा
थेमौरजटाजूटनकोचन्द्रछटाछबिछायरहीरी ॥ कुंडलश्र
वसोहैसर्पनकेदृगसमतामृगमीनलहीरी । चितवनिचा
रुचितैचिंताहृरिचितकीसबसंदेहदहीरी ॥ बाँकीभृकुटि
भालभस्मांकितसुरसरिताशिरसोहिरहीरी । नासाकीर
कमलमुखमंजुलमाधुरताअधरनउमहीरी ॥ दाड़िमद
शनहसनिहुलसनिहियचुंबकचारुचिबुकबिरहीरी । का
लकूटकलकण्ठस्वइच्छितनरशिरमालहृदयउलहीरी ॥
करकोमलभुजदंडमनोहरनाभितौनगंभीरगहीरी । क
टिकिंकिणिकोपीनभुवंगमरतिपतिहितपदनेहनहीरी ॥
वृषबाहनबाघम्बरभूषणभूतसखासंगतिनिबहीरी । शृं
गशूलफरसापिनाकतेरहतसहाइसदासबहीरी ॥ सोहि
रहीनखतेशिखलौंसबजोआभाजेहिअंगचहीरी । हैश
शिमौलिजनकजननीद्वउदूलहशंभुउमादुलहीरी १०३
शंकरछबिनहिंजातिकहीरी । बिकटवेषपहिलेहीआली
अबजनुकामकलाउमहीरी ॥ कोटिकलंकरहितरजनीप
तिद्युतिअमोलउपमाउलहीरी । धनिगिरिजाजेहिचषन
चकोरनदरशलालसालागिरहीरी ॥ चिताभस्मतनगौर
बिशदबरअतिसुन्दरताआनिगहीरी । जनुस्वरूपशृं
गारकियेनिजराजिरहयोधरिदेहसहीरी ॥ कालकूटकृत

कंठसोइच्छितपरमरम्यनिरनैनिबहीरी। मनोमुकुरसंपुटकियअंतरनवलनीलमणिकांतिठहीरी॥ धनिहिमगिरिमैनाधनिपुरजनधनिह्यांकेबनबागमहीरी। शिवस्वरूपशशिमौलिअगोचरसोप्रत्यक्षदेखोसबहीरी १०४॥
ब्याह॥ हिममण्डपतरशिवगौरीबिराजतछबिसोंयकठौरी। इतअहिमौरमनोहरमाथेउतमणिमयमौरी॥ मनसिजशेषलज्योलज्जाबशरतिकीमतिबौरी। सोहैंसजेशृंगारसहेलीगौरीऔसौरी॥ छबिसोंछत्रब्यजनकोउधारेकोउलीन्हेचौरी। कन्यादानदियोमैनाहिमहोनलगींभौंरी॥ब्रजेशंखशशिमौलिदेवपुरदेवनकीपौरी १०५
शिवसर्बज्ञसनातनस्वामी। अलखअगोचरअंतर्य्यामी॥ अरुजअकामअनघअबिकारा। प्रकृतप्रपंचपरेब्यवहारा॥मनचितप्राणइंद्रिजितजोई। गिरिजैजातबिवाहनसोई॥ जगमगज्योतिजगैजगजाके। लाजैद्युतिरबिशशिछबिलाके॥ देखिझलकझपकेमुनिनैना। आरतितासुउतारतमैना॥ जासुदरशदुर्लभजगमाहीं। ध्यानौंमेंकोउपावतनाहीं॥ बिबिधयतनयोगिनउरआजैं। गिरिमाड़ौतरसोप्रभुराजैं॥ यमकुबेरकिन्नरगंधर्बा। सुरनरनागचराचरसर्बा॥ सबसोंआपनचरणपुजावैं। सोगणेशपूजाल्लौलावैं॥ सँहरणशक्तिकालजहँपावै। पालनशक्तिबिष्णुपुनिलावै॥ रचनशक्तिजासोंबिधिलेवैं। कन्यादानतुहिनतेहिदेवैं॥ परशुपाणिडमरूयुगजाके। मोहितजीवसकलबसुधाके॥ जोरिपाणिजेहिजपतखगेशा। पाणिग्रहणसोकरतमहेशा॥ जेहिअज्ञानिशिदिन

सहिशरमा। करतभानुध्रुवकीपैकरमा॥ मुनिबरयतन करतजेहिलागी। भाँवरिफिरतसोकै अनुरागी॥ मखज पतपतीरथअस्पर्शन। अगमअगोचरजाकोदर्शन॥ अलखजाहिश्रुतिकहतपुकारे। बैठमगनसोंमैहरद्वारे॥ सकलपुण्यफलनृपजेहिअपैं। तपतीरथफलसिद्धिसम पैं॥ संतसदानैवेद्यलगावैं। ताहित्रियालहकौरिखवा वैं॥ अजअद्वैतअमलअबिकारी। चिदानन्दईश्वरत्रि पुरारी॥ जोशशिमौलिसबनसोंन्यारा। करतसगुणली लाबिस्तारा १०६ धनिगिरिजातुवचरणसुहाये। जासु कृपाकिन्नरसुरनरमुनिमनमानेनिजनिजफलपाये॥ सेव तसुकृतसुलभसबहीबिधिमुदमंगलगुणजातनगाये। ज हँलौंजौनपदारथातिहुँपुरलहतसहतचरणनचितलाये॥ श्यामपृष्ठिपावनयमुनासीनखद्युतिगंगछटाछबिछाये। शारदरंगअरुणतलसंयुततीरथराजविदितमनभाये॥ ध्यानधरतसुमिरतअवलोकतत्रिबिधकर्मभागतभयखा ये। तेपदआजुप्रक्षालतहिमगिरिसुखशशिमौलिनजाइ गनाये १०७ जाकोवेदनपावतपार। सोगिरिजाशिवव्या हरचोनिजयथाविश्वव्यवहार॥ योगिनयोगध्यानकरि कबहूँपायोदरशउदार। मंडपतरबैठाइतुहिनगिरिपूजत बारंबार॥ संन्यासीलैदंडजासुहितबिचरतबिपिनबिहा र। उमाशंभुसोइफिरतभाँवरीप्राकृतकीअनुहार॥ कंद मूलफलअशनकरतमुनिजेहितपतजिमदमार। ताहित्रि यालहकौरिखवावतबैठेमैहरद्वार॥ बंधमोक्षपदजाहि बिदितबिधिकरिशशिमौलिबिचार। गठिबन्धनकीरीति

करततेहिमातुपिताअतिप्यार १०८ शिवगौरीबरव्याह
रचोहै। जगदीश्वरजगदम्बजक्कहितजगव्यवहारबिम
लबिरचोहै ॥ हिमआंगनमणिमयमण्डपशुचिविशुक
र्मजेहिलाजलजोहै। ताकेतरभइभीरसुरनकीठौरठौर
आनन्दमचोहै॥ गणपतिअग्निबरुणपृथिवीपुनिसकल
सुरनबिधिवतअरचोहै। धर्माचरणरीतिकुलकीसब
कीन्हविविधविधिजौनजचोहै॥ कन्यादानदियोमैना
हिमपाणिग्रहणतबशम्भुसचोहै। लागींहोनभाँवरीअ
तिहितसोसुखजातनहींचरचोहै॥ नेगनिछावरिदानअ
नेकनदेखिजिन्हैंत्रयतापतचोहै। याचकजोतेहिक्षणते
हिसुरबिधितबसोयाचकतानखचोहै॥ बाजैपणवशंख
दुन्दुभिनभनाकनटीबरवृन्दनचोहै। बर्षतकुसुमावलि
सुरकिन्नरउरपुरप्रेमललकललचोहै॥ जौनजथरयमद्वा
रजहांजोनिर्गुणमहँपुनिजाइपचोहै। सचरअचरशशि
मौलिसमयतेहिआनँदसोंकोउनाहिंबचोहै १०९ जोमू
लमहाउतसाहकी। जयबोलियश्रीगणनाहकी॥ मर्य्या
दजेविश्वप्रपंचकी। प्रियआरतिकीजैबिरंचिकी॥ पा
लनजेहिसबजगजीजियै।प्रियआरतिहरकीकीजियै॥जे
हिराजअमरपुरदेशकी। प्रियआरतिकरियसुरेशकी॥
सुरसिद्धधुन्धयमकालकी। प्रियआरतिभूतबैतालकी॥
नन्दीयुतअनमितभुवंगकी। प्रियआरतिकीजैगंगकी॥
हितमन्त्रसखाअरुनातकी। प्रियआरतिसकलबरात
की॥ करुणाजेहिबिपतिबिदारती। शंकरकीकीजैआ
रती॥ शशिमौलिसकलसुखपाइहै। यहआरतिजोनि

तगाइहै ११० शिवगिरिजामंडपतरराजै। अद्भुतदेखि मनोहरजोरीकोटिनकामसहितरतिलाजै ॥ पितुमाता त्रिभुवनकेदोऊअजअद्वैतसगुणछबिछाजे। लोकअ चारकरैंयाहीतेसोजोङ्कैगेहीसुखसाजै ॥ हिमनगरीऔ देवनगरमहँशंखपणवदुन्दुभिबहुबाजे। दुउदिशिनृत्य कारनिरतैंपुनिसँगलीन्हेनिजअमितसमाजै॥ हंसचढ़े बिधिविष्णुगरुड़पुनिइन्द्रचढ़ेऐरापतिगाजे। करेंसकल सुमननकीबर्षाजयधुनिमुखअरुआनँदभ्राजै ॥ मागध सूतबजनिहानेगीआशिषबचनबिबिधउपराजै। नेग निछावरिक्षणप्रतिपावैं देखितिन्हेंदुखदारिदभाजै ॥ मंगलगानकरैंपुरकामिनि कोकिलपिकसोंसरिसअवा जै। जनशशिमौलिबिवाहबहानाशिवगिरिजाजनदी ननिवाजै १११ हियहरषैंपुलकैंसखियांसबबैठउमा शिवमैहरद्वारे। ललकिललीलहकौरिखवावैंप्रेमउमँ गहिरदेबिचधारे ॥ लीलाललितनिरखिताक्षणकीको टिमदनरतितनमनवारे। पंसासारिखिलावैंनारीशील सनेहसकोचसँभारे ॥ मंगलमयमृदुवचनवखानीगिरि जाजीतीशंकरहारे। देउहरियाकीरीतिभईपुनिदीपकबा तिकमलकरटारे ॥ मनमुसुकाहिंमहेशभवानीगृहब्यव हारविचित्रनिहारे। देव्यापाईंलगावैंशिवसोंजेहिनावैं शिरसुरमुनिसारे॥ सुरतरुसुमनसकलसुरबरषैंबाजैंसुर पतिनगरनगारे। लोकाचारकियोयाविधिसोंशिवगिरि जाजगसिरजनहारे ॥ भैशशिमौलितिहूंलोकनकेतेहि अवसरसबजीवसुखारे११२॥आनाएकबालककाक्षुधावश॥

शैलपतिबालकएकक्षुधावशव्याकुल शिवबरातसोंआ
यो । भोजनहितरोदतलखिलोगनतेरीपवँरिपठायो ॥
सुनिहिमशैलसुवारनसोंकहिबहुमिष्टान्नमँगायो । ज्यों
हींआनिधरोताक्षणतेहिखातबिलम्बनलायो ॥ मनमु
सुकाइकहैंपुरजनसबहैदुखियाकोजायो । तपसिनसंग
मूलफलदुर्लभकबहूंनाहिंअघायो ॥ व्यंजनबिबिधभां
तिबहुधरितबकंचनथारभरायो । रखवायोसमीपतासुत
केमोहमहाउरछायो ॥ कीन्हअहारथारसंयुतसबहिम
गिरिअतिरिसआयो । रुखनिहारिभंडारिनतबतेहिलै
भँडारपहुंचायो ॥ लगींबिबिधव्यंजनकीढेरैंकाहूअंतन
पायो । पकरिपाणिपरसनहारेसबतामेंताहिलगायो ॥
चारिभांतिभोजनछैयोरसजहँलौंजोदरशायो । क्षणमें
लियोसोकिसामासबनिरखितुहिनघबरायो ॥ हौंतुमसिं
धुपवनपावकरबिकीरबिसुवनसुहायो । कोटिनसुरनरना
गरसोईयकक्षणमाहिंबिलायो॥मैंलघुसुतसेवकशंकरको
तासुनभूखबुझायो । औरनकेज्योनारकह्योकिमिअस
कहितुरतसिधायो ॥ रोदनकरतआयोशंकरढिगकहब
रातयहलायो । गइसँभारिनहिंमोरिक्षुधाजहँकिमिगिरि
राजकहायो ॥ हँसेबहुतअवघड़दानीशिवपाणीपरासि
जिवांयो । रहैदुखीशशिमौलिनकबहूंयहपदप्रातजुगा
यो११३शोचतशैलसुनोसबकोई । जेहिबरातकोबालक
ऐसोतेहिज्योनारकहोकसहोई ॥ कोटिनसुरकिन्नरनरव्यं
जनकरिअहारबैठोमुखधोई । गेसबसोकिसारितसरपा
नीबस्तुसकलबहुडारिसिखोई ॥ सुनतनगरबासीबिस्मि

तसबसहमिसकुचिभ्रमभाषतरोई । हैंतेहिनाहिंबराती
हरसँगकालकलेवरसबहैलोई ॥ देखेसुनेव्याहबहुतेरे
ऐसिबरातनकाहूजोई । कीन्हकठिनतपताहितगिरिजा
ऋषिनारदमायामतिभोई ॥ कोउकहैप्रबलप्रलयकिंक
रयेकोउकहैयमजगभक्षकजोई । पावकपुरुषरूपकरिको
टिनकोउकहैआइबिराजोसोई ॥ हरषविषादव्यक्तजग
दम्बाजानिगईशंकरगतिगोई । दीन्हचितैशशिमौलि
भँडारनभइपरिपूरितसकलरसोई ११४कोवरणैज्योनार
सरसरचनाभली।शोभितबिधिअरुबिष्णुसहितसुरमंड
ली॥मधुरसुरनप्रियगारिसबैगावैंअली। बढ़तबरातिन
प्रेमपरमपुलकावली॥भाषतबंदीवेदबिनयबिरदावली।
धनिमैनाहिमवानधन्यहिमकीलली॥करिआचमनबरा
तसोजनवासेचली।दरशकाजशशिमौलिसबैठाढ़ेगली
११५॥ बिदा॥ होतबरातबिदाशंकरकीप्रेमपुलकिपुरज
नसबधाये। कहतपरस्परपुरनरनारीधनिहिमगिरिकेभा
गसुहाये॥ अजअबिकारअलखअखिलेश्वरशिवजाके
जामातृकहाये।हिमनगरीकेजीवजहांलौंजाइनकोटिबद
नगुणगाये॥सफलभईसबहिनकीकरणीगंगाधरकेदरश
नपाये।लैलैलेहुलाहलोचनभरिफिरिहोइहैनहिंकछुपछि
ताये॥हैदुर्लभदरशनशंकरकोजनशशिमौलिकहैघरआ
ये११६ शंकरसमनहिंदेवअनन्य । अजअनादिअखि
लेश्वरईश्वरईश्वरमानतपुन्य ॥निराकारनिर्लेपनिरंजन
निर्बिकारब्रह्मन्य । काशीपतिपूरणपरमेश्वरपरमानन्द
प्रसन्य ॥ रबिशतकोटितेजतनछाजैछबिज्योंबिमलहि

रन्य। करडमरूअहिमालहृदयबिचसुखशोभासंपन्य॥
शिरसोहैशशिमौलिनिशाकरसुरनरनागशरन्य। सोजा
कोजामातृकहायोहिमसमानकोधन्य ११७ जाततुहिन
शिवकोपहुंचावन। बारबारफेरतअखिलेश्वरफिरिफिरि
चलतनमानिसिखावन॥ नाथदरशदुर्लभसबहीबिधि
जड़मूरतिमैंसहजसुभावन। कैसेतजौंलाहलोचनकोभ
वमोचनतुवसंगसुहावन॥ सुरमुनितुवमाहिमानहिं
जानैंमैंतोमूढ़बिबिधसबठावन। भैअगणितअवगुणअ
घमोसोंकरियक्षमाजनदोषनशावन॥ दायजदेउँकहाक
रुणानिधिसबलायकतुमजगयशपावन। टहलकाजक
न्याकिंकरियहराख्योशरणप्रणतदुखदावन॥ सुनिहिम
गिरिकेबैनबिमलबरतोषेशिवत्रिभुवनमनभावन। की
न्हबिदाशशिमौलिश्वशुरकहँ जबतबकह्योनगरनिज
आवन ११८ मातहिंमिलतशैलसुकुमारी। बारबारभेंट
तिप्रेमातुरमोहविवशतनसुरतिबिसारी॥ बिछुरतबच्छ
गऊगतिजैसीतैसहिदीनदशामहतारी। धीरनधरतढुर
तआँखियनजलपुनिपुनिलेतगोदबैठारी॥ आयेगृहगि
रिपतितेहिअवसरधाइउमाकियोरोदनभारी। लीन्हला
इउरशैलसुतानिजमोहमनोबैठोतनधारी॥ प्रियपरिज
नपरिवारकुटुँबतियअरुपरोसबासिनजोनारी। बालाप
नपुनिखेलीजिनसँगसबनमिलीहिमवंतदुलारी॥ प्रबल
बियोगबिथादारुणादलछाइगयोरनिवासमैंभारी। जन
शशिमौलिसमयमंगलमयतुहिनसुता ससुरारिसिधारी
११९ पतिसेवाकरियेमनबचक्रम। क्षणप्रतिप्रेममगन

रहियेतेहिचितमेंमतिरखियेतिनकोश्रम ॥ स्वामीसुख
हिततनमनधनसबतृणसमजानियज्योंबुधिविक्रम। श्रा
ज्ञाभंगकरियनहिंसपनेहोइचहैश्रतिहीदुखपैश्रम ॥ है
श्रतिकठिनपतिब्रतकोतपकरतप्रशंसयतीगृहश्राश्रम।
सोइशशिमौलिकरीजेसाधननहिंदूसरकछुयासमसदक्र
म १२० जेहिपतिदेवताकोभाव। सोत्रियातिहुँलोकपा
वनबदतबिधिकरिन्याव ॥ पदप्रक्षालनश्राचमनपुनि
दातुइनिश्रस्नान । चन्दनश्रक्षतपुष्पदलसोंपूजैबिधि
श्रनुमान ॥ धूपदीपसमर्पिश्रागेधरैशुचिनैवेद । बारि
बीराव्यजनचामरहरैपुनिपदखेद ॥ जीतेजीवैसोयेसोवै
पैठेपीवैनीर। हरेहरैनेरटेरैगाढ़ेराखैधीर ॥ दुखदुखीसु
खसुखीपतिबिनश्रौरनहिंश्राधार। होयनहींरुखबिमुख
सपनेबाढ़ैक्षणप्रतिप्यार ॥ स्वामीकोनहिंजोवैजबलौंजा
नैमिथ्याकाल।कैसहूपतिहोवैनिर्गुणदेखिदरशनिहाल ॥
श्रनखश्रालसबिबिधबिग्रहक्षोभछलकोथम्भ।मूलसहि
तउखारिउरसोंकामक्रोधरुदम्भ॥ सहजहूकहैनाहजोक
छुमानैदृढ़बिश्वास।त्रासहूजोदेइस्वामीहोयनकछूउदास।
होसलज्जसुलक्षणीतुमसूक्रियाशिरमौर।करैयहशशिमौ
लिशिक्षाजक्कहितहैगौर १२१ बाजिडिमिगडमरूकहिं
श्राज। सुरनरनागयक्षयमकिन्नरमोह्योसकलसमाज ॥
विद्याधरगंधर्वगुणीजनजेगायनशिरताज। श्रायेशरणा
गतशंकरकेउरपुरप्रेमाबिराज॥नाकनटीधाईधीरजतजि
भलभवनसुखसाज । शंभुनिकटनिरतैलागींसबपरिह
रिसुधिबुधिलाज॥ मदनश्रवनसुनिशब्दसमयतोहिरति

गहतेउठिभाज। गिरिकैलासगयोजबलौंनहिंसमुभयो
अमितअकाज॥ दुखवारिदबूड़ेजहँलौंजेचढ़ेप्रमोदज
हाज। हैंशशिमौलिउमाशंकरदोउपरमगरीबनिवाज
१२२॥ शिवडमरूदेखोफिरिबाजी। तीनोंभुवनभरीम
धुरीध्वनिधीरजताउठिभाजी॥ छकेदेवनरनागयक्षयम
थकेभानुरथवाजी। सकैनडोलिपवनपानीजसमोहेसक
लसमाजी॥ सोहेसभासुरपतिसुरसंयुतव्यजनछत्रछ
बिछाजी। श्रवणसुनतयोगीबनिबैठामूँजीमेखलसा
जी॥ योगीयतीजपीजलशयनीसंन्यासीगृहकाजी।
भुलेदेहदशासुधिसबकहँहियकछुऔरबिराजी॥ जहँलौं
अंडरचितरचनायहसबकीसुधिबुधिलाजी। शिवशशि
मौलिमोहनीविद्याडमरूसों उपराजी १२३ डमरू
बजीशशिधरभालकी। कहिनाहिंसकतशेषहारोहियदे
खिदशातेहिकालकी॥ करतरहेउच्चरनचारुमुखबाणीवे
दाबिशालकी। ह्वैगेचकितचहूंकिताचितवतसुनिधुनि
अटपटचालकी॥ श्रीसमेतश्रीपतिसुरपुरमेंरचतरीतिप्र
तिपालकी। श्रवणसुनतऔरैशोभाभइनीरजनयनरसा
लकी॥ निर्ततनाकनटीअमरावतिलागिसभासुरपाल
की। मोहिगयेगन्धर्वगुणीसबसुधिबिसरीसुरतालकी॥
थकेपवनपानीपघिलेगिरिशिथिलशिखाभइज्वालकी।
छकितभयेनभक्षितिमुरछितमतिभूतप्रेतबैतालकी॥ को
पकूपानकटीजिनकीबुधिबशभेकामकरालकी। ह्वैगेज्ञा
नमगनतेहिअवसरगतिभूलीभ्रमजालकी॥ ठगेभानु
शशिडुगेदिवसनिशिसजलघटाघनमालकी। प्रेमबिवश

तनमनकीसुधिबुधिउड़िगईउड़गणजालकी ॥ कहैंकथा
शशिमौलिकहांलौंसुरनरकिन्नरव्यालकी । सारीसृष्टि
छलीतेहिअवसरक्षितिअरुगगनपतालकी १२४ ॥
बन्दनाहिमवकैलास ॥ धनिहिमगिरिधनिधनिकैलास ।
शैलसुताशिवकेआश्रमजहँविरचितबिबिधबिलास ॥
इतसखियांशुचिसुमुखिसुलोचनिसुखशोभाकीरास । उ
तबैतालभूतप्रेतादिकप्रमुदितप्रेमप्रकास ॥ इतस्वरूप
वंतीरानिनसोंसोहिरहयोरनिवास । उतसुरसिद्धसमाज
समागमशोभितआसौपास ॥ इतअतिरुचिबिचित्रमह
लनमेंपुरजनकरतनिवास । उतबनबेलिनकेबितानतरु
बसैंशंभुकेदास ॥ इतशिविकासुखपालसुखासनउदय
दिव्यआभास । उतनन्दीबाहनबिशालवरहरणत्रिबिध
तनत्रास॥दोऊएकस्वभावएकरसइकस्वरूपबिश्वास।भ
जुशशिमौलिउमाशंकरसोइकरिदुबिधाभ्रमनास १२५
लखुनवमेघनकीअनुहारैं । कोकीमोरमहामधुरीसुरनि
रततनवलपुछारैं ॥ गिरिकैलासशिखरकेऊपरबनबेली
अधिकारैं । फूलैफूलिरहेचारोंदिशिभ्रमरकरतगुंजारैं ॥
डोलिरहीअतिहीआनँदसोंशीतलमंदबयारैं । गिरिच
हुंफेरगंगकीलहरैंत्रिभुवनतापनिवारैं ॥ ठौरठौरसोहैंशु
चिआश्रमदेवसदनहियहारैं । तिनमहँबसतपिशाचप्रे
तगणगावतमगनमलारैं ॥ बनवासिनपरतोषिपरस्पर
बिग्रहबैरबिसारैं। ऋषिसादर्शसरिकाशुकसबशंभुसुयश
उचारैं ॥ बैठेबटतरध्यानधरेशिवजबतबनैनउघारैं । ध
निशशिमौलिनिवासीइांकेजिनकीओरनिहारैं १२६ बो

लैंपिकचातकमोर।जनुब्याकरणिनकेबालककरतसूत्रहि तशोर॥ लहकेललितलताद्रुमवृंदनभुकेफूलफलभार। नयेप्रखरविद्याकरमानौंविद्यारथीउदार ॥ घनघमंडित रजैगरजैनभकरैंकुलाहलघोर। शास्त्रअर्थजनुबुधमंडल महँहोतअनेकनओर ॥ परतबड़ेबड़ेबूंदचहूंदिशिआइ रहीबौछार।उत्तरप्रतिउत्तरबचननमहँमानहुंपरीपुकार॥ गिरिकैलासमध्यनंदीगणसहितगणनआनन्द । जनु मध्यरुथसहितश्रोतासबहर्षितसुनिसुनिछन्द॥ मेघनको सुनिशब्ददादुरनझिल्लिनरटनिलगाव । जनुतेहिमं डलकीसराहनाकरतसुजनचितचाव । भरेखेतउमहेस रितासरहरषेजलकेजीव । छकेसिद्धउमँगेबाचकजनुक बिनबिलासअतीव॥ फूटिकियारिगईखेतनसोंबहनग लिनजललाग। जनुविद्याकोबोधमुखनसोंश्रवणनश्रव णनभाग ॥ महातिमिरितायोतिहिदामिनिलसतबहु रिछिपिजात । अज्ञानिनउरज्ञानयथारथप्राबिशतपुनि बिलगात॥ पांतिपांतिबकउड़तगगनपरअरुखद्वैतउजे र। जनुबड़सुयशबड़ेबक्तनकोअल्पअल्पगतिकेर॥ बि कलचकोरचंद्राकिरणनबिनचकचकईहरषाइ । बिनबि द्यापछिताइयथाबिधिबिद्याधरहुलसाइ॥ अगमपंथपा वसऋतुमेंलखिपंथिनआश्रमकीन्ह। जनुसंन्यासकठि नलखिबुधजनगृहमारगचितदीन्ह ॥ प्रबलघटाकीबा ढ़िजानिजियरैनिभईअतिकारि । जिमिविद्याअपमान कियेसोंचितकीव्हातिअँधियारि ॥ लागीबहैबयारिबड़ी जबचलामेघदलभागि । जिमिबिद्याअनुरागगयोउड़ि

यतनजीवकालागि ॥ प्रकटेअमितजीवजलचारीजल महँकरतकलोल । जिमिबुधजनकेबालवृंदबहुविद्यामाहिंअडोल ॥ उदयधनुषआकाशमध्यलखिनरनारीहुलसाइँ । भृकुटिबिलासदेखिकोबिदकेपढ़नहारहर्षाइँ ॥ परतनदेखिनक्षत्रएकहूघनकेपटलमँझार । ब्रह्मबिचारकियेअलखितजिमिसकलद्वैतबिस्तार ॥ बारिसमूहभरोखेतनमेंधानगुप्तह्वैजाइ । जनुबहुबिद्याकेबिलासमेंआशासकलसेराइ ॥ वर्षाऋतुकेजीवजंतुबिचइन्द्रबधूचमकार । जनुव्याकरणिनकेमध्यमेंनैयायिकअधिकार ॥ प्रबलबयारीबहेंदिवसनिशिथूनिचुवैछतिछानि । विद्यादानदेतनितत्योंहींरहतनरोकीबानि ॥ करिशृंगारनगरनारीसबझूलैंझूंकहिंडोल । ज्ञानगिराज्योंविद्वाननमुखझूलतअमितअमोल ॥ ऋतुपावसउत्साहसमुझिजोगावतसकलमलार । जनुशशिमौलिसकलविद्यापढ़िभाशिवनामअधार १२७ हमेंहिमनगरीमनमानीजहँ प्रकटउमामहरानी ॥ कहुँएकचरणमुनिठाढ़ेकहुंतपततपीतपकाढ़ेकहुंप्रेमपुलकतनुबाढ़े धरिध्यानमगनमुनिध्यानी ॥ कहुंफूलिरहीफुलवाई कहुंफैलिरहीअमराई कहुंसरितातालतलाई भरिशीतलजलउमड़ानी ॥ कहुंहरितलताद्रुमकुंजैं कहुंभवँरकमलद्रुमगुंजैं कहुंशुकसारिकपिकपुंजैंकरैंकूकमहामृदुबानी ॥ कहुंमृगतनधरिसुरडोलैं कहुंद्वैपक्षीबनबोलैंकोउभेदनआपनखोलैंरहैंगुप्तहर्षउरआनी ॥ शशिमौलिकहैंजेहिनामाजपिजीवलहैंविश्रामासोआपबसतजेहिग्रामासके महिमाकहिकोप्रानी

१२८हिमनगरीत्रिभुवनसोंन्यारी जनीकोटिब्रह्मांडनकी
जहँप्रकटभईगिरिराजकुमारी॥मातापिताप्रजामंत्रिनके
नितनवहर्षहृदयअधिकारी ।मंगलबस्तुबसीसबकेगृह
नवनिधिलाभलहैंनरनारी॥ कुलकुटुम्बपरिवारजहांलौं
दुखसपन्योनाहिंपरतानिहारी।ऋधिसिधिसकलखड़ीपवँ
रिनपरपरीगलिनबिचसंततसारी ॥ तोरनध्वजपताकरं
भातरुकंचनकलशभरेबरबारी । घरघरद्वारद्वारदीपतइ
मिबिश्वकरमाबिस्मयउरधारी॥रचेरागरचनाकाहूदिशि
मचीमृदंगनकीरवकारी । स्वांगरुनाचसजेकतहूंपुनिप
रमकुतूहलनगरमँझारी॥ मणिमाणिकमुक्ताकंचनमयगृ
हवीथीचौहटचौपारी।सरसरिताबनबागमनोहरत्रिबिध
बिमलबरबहतबयारी ॥ बापीकूपकुटीसंतनकीशिखरगु
फाअस्थलफुलवारी ।ठौरनठौरहवनपूजामखरटतउमा
शिवकोमुनिझारी ॥ वेदउपनिषदतंत्रपशुपतिमतपढ़त
गुणतपुरसुवनसुखारी । अपरसकलबिद्यानिधानसबयो
गीयतीतपीआचारी ॥नानाअस्त्रशस्त्रधारणकरिकैंसुभ
टपुरकीरखवारी। वृषभधेनुमहिषीमंदिरप्रतिहयगयसब
स्यंदनअसवारी ॥सबअरोगसंदेहबिगतसबसबसप्रेम
आनँदउजियारी।वेदपात्रधनपात्रपात्रगुलकतहूंकलह
नबिग्रहकारी॥ भोजनबसनबासबाहनधनघरघरपावत
भीखभिखारी। जलचारीथलचरनभचरसबसुखीसमय
अनुकूलनिहारी॥सुरनरनागकहतपुरमहिमालहतनअं
तरहतमनमारी । तेहिशशिमौलिकरैकिमिबरणनप्रकट
आपजहँसिरजनहारी१२९आजशिवबनबनोहैबसंती।

कुंदपियाबासबेलीचमेलीमनुपुरुषतियबेषभूषणसजंती
झमकिझाड़ीझुकेंभूमिनवपल्लवनसोईरम्भामनोरूप
वंती। पवनबशडोलैंशाखालतालहलहैंसोईजनुनृत्य
छबिसोकरंती॥ बोलैंकलकंठशुकशारिचंडोलपिकगान
जनुगायननसोकरंती। भ्रमरधुनिमन्दघहरायनकोकि
लजबैमंजीरमिरदंगमानौबजंती॥सरनमेंपरेपलाशआ
दिकेपुष्पओढ़िसोइरंगकुंडमानौभरन्ती।मज्जिदन्तीसु
जलसोंशुंडतजैजबसोईजनुरंगपिचकाचलंती॥पुष्परस
ओसबशबूंदबूंदनचुवैंताहिलैबायुइतउततजंती।कैरही
दिवसनिशिरंगबरषासोईचहूंकितललितरचनारचंती॥
कमलाकीधूरिअलिवृन्दमुखतेझरै कदलिकरपूरलैखग
उड़न्ती। अरुणसितसोइअबीरआदिअद्भुतमनोसू
रशशिसाँझशोभालसन्ती॥ निरखियहछबिरसालआ
दिबौरेभयेकूटऋतुराजललनालजंती। कहैशशिमौलि
शिवउमासुखदेतजोतौनबनकीकथाकोकहंती १३० आ
योदरशनहितऋतुबसन्त।बैठेजहँशिवगिरिजाअनंत॥
उरप्रीतिउन्नताकोउमंग। पिचकारिभरेदृगप्रेमरंग॥
कियेईशबिरहबशपीतअंग। यहिभांतिपरोचरणनतुरं
त॥ पियबासचमेलीकेसुमाल। गुँधेकुन्दनबेलिनकेसु
जाल॥ पहिरायोनिजकरकमलनाल। हरषेहियगिरि
सुकुमारिकन्त॥ लायोबलकलरँगमेंरँगाय। बांध्योतेहि
कँटिकोपीनआय॥ पुष्पाभरणउरलसिबनाय। छबिदे
खिहँसेसबसाधुसन्त॥ तेहिअवसरकोसुनिसमाचार।
धायेसुरकिन्नरउरउदार॥ भइरागरंगरचनाअपार।ल

खिठाटसोमोहेजीवजन्त॥ गन्धर्बनबीनमृदंगसाज।कि योतालसुरनसमऊपराज॥ डमरूपुनिताकेमध्यबाज। सोशब्दसदासबकोरुचन्त॥ गायोतबबिद्याधरनछन्द। निरतैंरंभादिकवृन्दवृन्द॥ नन्दीसुरहियअतिहोअन न्द। लैभस्मशिरनसबकेलसन्त॥ गिरिजाशिवपदपा थोजधूरि। शतकोटिअबीरनकीजोमूरि॥ शशिमौलि कहैजेहिदृगनपूरि। तेहिभागप्रशंसाकोनअन्त १३१ होरीखेलतऔघड़दानी। सँगसोहैंउमामहरानी॥ भृं गीगौरीशबजायो। सुनिशब्दसखासबधायो॥शिरनाय रजायबिचारी। करैंलागकुलाहलभारी॥ कोउशृंगीना दबजावै। कोउशंखपणवरवछावै॥ डमरूमिर्दंगनगारे। गरजैंघनइन्द्रअखारे॥ सांगीतमधुरसुरगावैं। सरिग मकेबोलसुनावैं॥ तिरवटधुनिजबउपजावैं। जनुअमृ तरसबरसावैं॥ सुनितांडवनृत्यसोहायो। सुरकिन्नर देखनधायो॥ लखिदेहदशासुधिनाहीं। हियनेहनदीउ मड़ाई॥ शंकरपदरेणुसुहाई। शतकोटिअबीरसिहाई॥ सुरलैलैसबनलगाई।तेहिदामिनिदेखिलजाई॥यहशंभु उमाउत्साहा। रँगप्रेमप्रमोदप्रवाहा॥ शशिमौलिकहै जेहिंदेखा।भयोजीवन्मुक्तबिशेखा १३२॥पदबिनय॥ गिरि जापतिबिपतिहरणराखौपतिमेरी। सोवतअरुजागतमें शरणागततेरी॥ सुरमुनिनरनागसकलजीवनतनहेरी। तुमहींकरिख्यालखबरिलेतसबनकेरी॥ दीननकेदानि तुम्हैंवेदकहतटेरी। मेरेहितकाजकहांबैठेमुखफेरी॥ ली न्ह्योमदमोहमहामत्सरमोहिंघेरी। हटकोप्रभुवेगिइन्हैं

क्रोधअनलप्रेरी॥मांगेशशिमौलिनसुखसम्पतिकीढेरी।
दीजैनिजभक्तिनअबकीजैकछुदेरी १३३ भजुगिरिजा
पतिबिपतिबिदारन। अतरनतरनशरनअशरनकेसुरन
सुखदअसुरनसंहारन ॥ भुजबलपाइसमरमाँग्योपुनि
बानासुरसमकोअघधारन । हरसंग्रामाबिपात्तिपरीजब
धायेसहायकरनकेकारन ॥ लुकिरह्योबिप्रभठीभयसों
जबजानिसुराकृतलागोजारन। तारकमंत्रसुनायोतहँते
हिऐसोकोअतरनकोतारन॥ शंखासुरवेदनहरिलीन्ह्यो
धर्मलगेसबशरणजुहारन । तंत्रबिरचिरक्षाकियोताकी
अशरनपालप्रणतनिरधारन ॥ भयेअतिबिकलबिषम
बिषसोंसुरकोउनसक्योतेहिकालउबारन। करिबिषपान
सुधासमशंकरकीन्हसकलसंकोचनिवारन॥ असुरजलं
धरअरुत्रिपुरादिकभेमुरछितक्षितिजिनकेभारन । दी
न्हीगतिशशिमौलितिन्हैंशिवपापाकियोजिनकोटिप्रकार
न १३४ प्रातसमयश्रुतिचारिसदाशिवकीशरणागत
आवै। अतिरुचिरुचिरऋचानिजनिजमुखबिरदावलि
बिमलसुनावै॥ बैठेबाघंबरओढ़ेशिवसेवकइतउतधावै।
सेवाजौनयोगजाकेजिमिकरतबिलंबनलावै ॥ शुचिसु
बारिशुचिपरसिपरमहितमज्जनमंजुकरावै । कटिकोपी
नकसैवल्कलकेअहिकंकणपहिरावै ॥ नागपवीतासि
धारिहृदयपुनिउरशिरमालसजावै। कोमलकरनजटाजू
टनशुचिभालबिभूतिरमावै॥ गंधाक्षतपुष्पइच्छायुतकर
दरपनदिब्यदिखावै । कोऊछत्रलैआनँदसोंकोऊचमर
डुलावै॥ धूपदीपनैवेद्यसमैवाजंत्रअनेकबजावै । जल

पानादिकराइबहुरिपुनिकन्दमूलफलल्यावै। तांबूलपूगी
फलसंयुतबीराबिमलखवावै॥ बिबिधभांतिभेंटैंआगेंध
रिनीराजनदिखरावै। पुलकिपुलकिपैंकरमाकरिपुनिप्रे
मप्रमोदबढ़ावै॥नृत्यगानसन्मानसकलबिधिबारबारशि
रनावै। यहप्रभातलीलाशंकरकीजेप्रभातनितगावै। बि
नपरिश्रमशशिमौलिसदामनबांछितफलतेपावै १३५
अतिप्रियमोहिंमूरतिमहेशाकी। भालस्पर्शलोभिजेहि
सुरधुनिबशीभूतभैजटाकेशाकी॥ काननकर्णसुमनसर्प
नकेशिरशोभितशोभानिशेशाकी। नयनतीनत्रैलोक्यबि
मोहनहँसिहेरनिहरणिकलेशकी॥ हियमुंडनकेमालबि
राजतबिमलभस्मभासैमृतेशकी॥ गरलकंठउपबीतभुवं
गमभंजनभयसबदेशदेशकी। करकपालडमरूत्रिशूलध
रकटिकिंकिणिरहिफबिफणेशकी॥ अहिकोपीनव्याघ्रपट
अम्बरचरणध्यानगतिअगमशेशकी।बर्षतसुमनसराहि
सकलसुरदेखिदीप्तिकोटिनदिनेशकी॥ दरशनहेतुसदा
द्वारेपरहोतसभाबिधिहरिसुरेशकी। शिवशृँगारशशिमौ
लिकहैकिमिठिठुकिरहतजहँबुधिखगेशकी॥ सोइअर्द्ध
गउमाआकृतयुतबलिहारीअवधूतभेशकी १३६ शिव
मूरतिममचित्तबसीहै। मनुजमसानभस्मभारंकितबाल
बिमलशुचिसोहैससीहै॥ करनअरुणउरगनकेकुंडलजू
टजटाबिचगंगधसीहै।नयनतीनत्रिभुवनभयभंजनअध
रमधुरमृदुमंदहसीहै॥ कालकूटकलकंठसाचिह्नितमुंड
मालहियमेंहुलसीहै। नागउपवीतबिषमतात्रासिकत्रा
ससकलजेहिदेखिडसीहै॥करकपालडमरूअरुकटिबिच

अहिकिंकिणिकोपीनकसीहै।भूलैनमोहिंशशिमौलिचरणरजधन्यध्यानदगजासुबसीहै १३७ भजुमनगिरिजारमणमहेश । जासुनाममनितनूतनगावतपावतपारनशेश॥जेहिप्रतापलवलेशलाजबशद्वादशकलादिनेश।कोटिकोटिनवनीलघटाछबिछकितजटाकेकेश ॥ सुरसरिसोहिरहीजाकेशिरपावनपुण्यप्रवेश। बसतसदाकैलासशिखरपरकियेदिगंबरवेश॥भूतप्रेतबैतालसखाजेंहिसुन्दरसुवनगणेश। करकपालडमरूत्रिशूलधरसोहैशीशराकेश॥ जाकोध्यानधरतनिशिबासरब्रह्माविष्णुसुरेश।सोइशशिमौलिसहाइहमारोशंकरशमनकलेश१३८ भजुशंकरशरणागतपाल।डमरूधरफरसापिनाकधरगंगाधरशशिभाल ॥ डमरूसोंकियोनादनादसोंवेदरचोततकाल। वेदनकेबलसोंबुधिबिरच्योभवप्रपंचकेजाल॥फरसासोंसंहारणकीन्ह्योत्रिपुरादिकबिकराल । तिनकेभयसोंछूटिमगनभेसुरमुनिपृथिवीब्याल॥जबजबपरैभीरिभक्तनकोभयअत्यन्तबिहाल। गहिपिनाकरक्षाकियोतिनकीक्षणमेंदीनदयाल॥ कलबिषकालकूटसमजिनकीहियबिचकीन्ह्योशाल।तिनकेकाजसुधासमसुरसरिशिरधरिकियेनिहाल ॥सोमसुकारसोमशोभानिधिसोमस्वरूपरसाल। शिवशशिमौलित्रयतापहरणहितधरोशीशबिधुबाल१३९शिवमोहिंराखिलेनिजशरण। हौंमहाअपराधकोनिधिआयोंताकितुवचरण॥ देतबरबसमुक्तिजबजेहिहोतकाशीमरण। तरैंकाशीकोबिमुखजबजानोअतरणतरण॥ तारिबोहैसहजजाकोशुद्धअंतःकरण। हौंअधमउ

द्धरणतबजबकरौंममउद्धरण ॥ बदनसोंनहिंबद्योंमहि मासुन्योंयशनहिंकरण।करिअतीअपराधमूरखचहतअ घसंहरण॥ पापकृतपापात्मपापीपापपोषणभरण।त्राहि मेशाशिमौलिशंकरसर्वपातकहरण १४० सबबिधिसोंमें अवगुणगाहक।शंकरसुरनपालबानातुवतातेतुमहींमोर निबाहक॥ कोटिकरैंअघहोइशरणजोहोउनकबहुंतासु अनचाहक। भस्मासुरसमकोअपराधीमुक्तिदीन्हिदेखौ ह्वैदाहक॥ बाणासुरपायोबरतुमसोंतुमहींसेंभयोरणको गाहक। हरिसंग्रामबिपत्तिपरीजबकियोउबारताकोल हित्राहक॥ ऐसेहौसमरथसबलायकभोलानाथपतित उत्साहक।नहिंशशिमौलिकोऔरभरोसोताकोजोभूलो तोनाहक १४१ शिवसर्वज्ञसदासबकेहित। काहूवृत्ति बुद्धिविद्याबलकाहूसुखितसदनदाराबित॥ अमदअपार अमोहअनघतनअजअविकारअमलइंद्रियजित।कवि कोबिदबुधबिबुधशेषश्रुतिपारनपावतगुणगावतनित॥ जूटजटाबिचगंगछटाछबिकालकूटकलकंठसोइच्छित।प रमकृपालकृपाकेआगरसुखसागरसहशीलसरलचित॥ असुरसमूहजवासआदिज्यों शालीसदशदासजितहो तित। लैंउदबोहितकाजदुहूंदिशिप्रकटप्रभावयथापाव सऋत॥ अगणितपतितशरणतकिआयेलीन्हउबारिस मानसितासित। हैशशिमौलिभरोसेतेरेताकीबारबिलं बरहीकित १४२ झांझरनैयामोरीपारकरोप्रभुगाढ़ेसों। बहैबहुसिंधुअगमअतिअधिकौबर्षाजलकेबाढ़ेसों॥ठा टपुरानोबांसखियानोजातबहीनैखाढ़ेसों। हैशशिमौलि

स्वामिअबयहिक्षणकढ़ततुम्हारेकाढ़ेसों १४३ नैया
बिनगुणकीमेरिआइपरीमँझधार। यहभवसिंधुअपा
रअगमअतिसूझतवारनपार॥ दिनहैथोरेसंगीनहिं
कोईतापरपवनप्रचार। कामक्रोधकेकठिनकगारेमदज
लकोअधिकार॥ लोभकिलहरिमोहमकरादिकभ्रमके
भवँरहजार। यहिनैयाकोठाटपुरानोकांटाकीलढिलार॥
बल्लीबांसघुनेतखतासबकेवटहैमतवार। होतसहायस
दासबहीकेनंदीकेअसवार॥ अबयहिक्षणशशिमौलिह
मारेतुमहींखेवनहार १४४ छाईदगनहमारेशिवपदकीधू
रिहुधूरि। धूरिनहींवहमोहनमाया धोय्योजिननिजनै
नरमाया शिवबिनताहिनकछुदरशाया वाहीछबिगईपूरि
हुपूरि॥ पूरिदृष्टिजेहिउरअन्तरकी भूलीबाटविपिनअरु
घरकी मगनध्यानपदरजशंकरकी जानतजीवनमूरिहुमू
रि। मूरिसजीवनिसेअतिप्यारी पदपरागजगआनँदका
री बेध्योबाणविरहजेहिकारी ताकोसबदुखदूरिहुदूरि॥दू
रिरहैंकेतन्योबहुतेरे मेरेजानबसेनितनेरेजेशशिमौलिच
रणकेचेरे ताकोसबसुखभूरिहुभुरि १४५ शंभुजीमैंतौअ
बशरणागतआयोंताकीलाजबिचारो। मेरेअवगुणख्या
लनकीजेअपनीओरनिहारो॥ अधमउधारणअतरण
तारणयशगावतश्रुतिचारो।ह्वैहैनामबड़ोकरुणानिधिजो
मोकोउद्धारो॥नहिंजपयोगदानव्रतकेहमनहिंतीरथपग
धारो।मोसमपतितकौनहैस्वामीतुमहींताहिउबारो॥यह
भवसिंधुक्षुसहदुर्गमअतिताकोवारनपारो। जनशशिमौ
लिमहापापीकोकरगहिपारउतारो १४६ भजुभोलानाथ

पुरारीसुरनरमुनिआनँदकारी।जोचाउरचारिचढ़ायेसुख देतमहामनभाये तेहिभ्रमवशह्वैबिसराये मनमूरखनिप टअनारी।जोरीझमदारधतूरनकरिदेतमनोरथपूरनतेहि त्यागिअबुद्धबिसूरनसुखसम्पतिचाहतभारी। शशिमौ लिअयाचकसोई गिरिजाशिवजापकजोईनहिंमिलतप दारथकोईबिनशंभुकृपाअधिकारी १४७ शंकरनामउ दारसदाजेहिसुमिरिसकलभ्रमभागे । करिजपयोगय तनयोगीजनयुगयामिनिजोजागे॥ संसकारशंसोंसरो जसुतसिरजतसृष्टिबिभागे। कमलापतिप्रतिपालकरन हितकरतककारनुरागे॥ प्रबलरोषरोषितरकारसोंरुद्रसँ हारनलागे । तीनोंदेवतिहूंअक्षरसोंत्रिबिधकरमरसपा गे॥ साबित्रीकमलारुद्राणीसंगनयकक्षणत्यागे । जन शशिमौलिसदातिनहींसोंमनबांछितफलमांगे १४८शि वशरणागतजोकोउआवे। कटैकोटिकलिकालकालिमा मनमानेफलपावे॥ अहिमन्दिरमृत्तिकासानिजलजोपा रथीबनावे । देहअरोगरहैताकेतितअतुलतेजछबिछा वे ॥ सादरशब्दबिमलमनसोंजोजलअस्नानकरावे । संपूरणतीरथफलताकहँसुलभसदाश्रुतिगावे ॥ ह्वैस चेतचितकीचिन्तातजिचाउरचारिचढ़ावे। चारोंयुगयुग धान्यमहाशुचिभवनभँडारभरावे॥तोरिबेलपत्रहिजोप्र णसोंकरिअर्पणलवलावे।सुरतरुछांहछत्रतेहिऊपरदारि दहृष्टिबचावे ॥ दिव्यदूर्बाराखिशंभुशिरनितनयनेहल गावे। बहुबिधिबढ़ैबंशताकोजगयशप्रतापअधिकावे॥ अरुणपीतसितश्यामसुमनसोंजोशंकरैरिझावे । फूलै

फलैफरैनिष्कंटककमलकांतिदरशावै ॥ चिताभस्मलेप नकरिशिवतनजोप्रमोदप्रकटावै । दहैंदोषदुखदुसहदी नतादीप्तिअमितउपजावै ॥ चरचिचारुचन्दनबन्दनक रिकाशीपतिहिजोध्यावै । शीतलशांतसदाताकोमनशु चिसुगन्धसरसावै ॥ करिप्रचंडपावकपुरारिहितजोजन धूपधुपावै । यहसंसारधूमधौराहरतेहिनहिंदुःखदिखा वै ॥ करिआरतिप्रणतारतहरकीक्वैआरतचितलावै । दीपकज्योतियथाजसप्राक्रमप्रेमझलकझलकावै ॥ य थाशक्तिआदिकब्यंजनजो नितनैवेद्यलगावै । सुधा सरसरसरासरसायनताहितुरतमिलिजावै ॥ चमरछत्र आदिकपूजाबहुगाहिलोकबगुणगावै । जेहिसाधनशशि मौलिमिलैंशिवसोइमेरेमनभावै १४९ करुणानिधिसुधि मोरीकाहेकोबिसारी । मेरेतौऔरभरोसानाहींकेवलआ शतुम्हारी ॥ काहुकेद्रव्यगर्बबहुतेरोकाहूबुधिबलभारी । मोहिंअवलंबनामयकतेरोसांचीकहतपुकारी ॥ बाणासु रभस्मासुरछलबलबिदितत्रिलोकमँझारी । तिलभरि तासुविलगनहिंमान्योदीन्ह्योमुक्तिहँकारी ॥ अधमउ धारणअतरणतारणकहतसुरासुरझारी। बसौबेगिशशि मौलिहृदयहरसहगिरिराजकुमारी १५० ॥ रेखता ॥ ज पौनितनामकैलासी । जोचाहौआपदानासी ॥ उसीने बिश्वपूराहै । जोवेदोंनेबिसूराहै ॥ उसीकायहजहूराहै । चराचरलाखचौरासी ॥ वहीघरबारहैसबका । वहीकर तारहैसबका ॥ वहीआधारहैसबका। जहांलौंदेहअभ्या सी॥ उसीकानामहैबेरा। जगतकेसिंधुमेंतेरा ॥ हैखेवनहा

रसबकेरा। यतीगिरहस्थसंन्यासी ॥ वहीत्रैलोकबिस्ता
रन। वहीप्रतिपालकाकारन ॥ वहीफिरिसबकसंहारन।
हैंजिसकीयहपुरीकासी ॥ मरैकरिसबाकिसेवकाई। करै
तूकोटिचतुराई ॥ कहैंशशिमौलिसुनुभाई। बिनाशिव
नहिंकटैफांसी १५१ शिवशिवरटतकटतभ्रमजाल। ह
टतशोकश्रमघटतदोषदुखमिटतमोहविकराल ॥ जगत
महानदभरोबारिमदजन्ममरणद्वउकूल। लेतउबारिदा
सकहँतासोंकरगहाइनिजशूल ॥ पापनिशासमप्रबल
क्रोधतमचितब्रह्मांडनिवास। लखिआरतजनत्रासकर
ततहँज्ञानमयंकप्रकास ॥ अघकृशानुज्यौंधूमअबुधत्यों
एकनपरतसुभाय। निजसेवकहितलागिकृपाजलताक
हँदेतबुभाय ॥ करतरहेनितयुगनयुगनप्रतिदीननको
प्रतिपाल। कोशशिमौलिसांकरेगाढ़ेशिवसमदीनदया
ल १५२ अरेमनकाहेकोफिरतभुलाना। शंकरनामज
पतजीसोंनहिंहैपरपंचलुभाना ॥ कहँजलशयनशुचाअ
रुसंयमकहँतीरथअस्नाना। भवसागरसोंपारनहोइहै
बिनगंगाधरध्याना ॥ कहँचन्द्रायणनेमचन्द्रजपचन्द्रप
र्वकोदाना। चन्द्रमौलिकहँभजतनमूरखजेहिलखिचन्द्र
लजाना ॥ समदरशीसमशीलसमरजितशमनशोकस
रनाना। कोशशिमौलिशंभुसमसमचितस्वामीसमरथ
आना १५३ मनसुमिरौसदात्रिपुरारी शिरसोहतजाके
इन्दुअमल। डमरूधरफरसापिनाकधरउरधरविषधर
भारी ॥ करधरशूलजटागंगाधरविद्याधरमुनिझारी।
धरतध्यानवाकोरूपविमल ॥ समदरशीसमशीलसमर

जितशमनसमूहसुरारी। हैंशशिमौलिसकलविधिसमर
थशंभुउमाशुभकारी॥सुखदसदावाकेचरणकमल १५४
शिवछबिछाइरहीचहुंओरन। देखोकरिबिश्वासजितेतिं
तकरतसफलसहजैदृगकोरन॥ मेघनमेंशंकरहीकीद्यु
तिक्षणप्रतिनाचनचावतमोरन। पूर्णप्रभाकरमेंप्रका
शसोइअनिमिषदृगकरिदेतचकोरन॥ शोभासोइरतिप
तिमहँप्रबिशीकरतचराचरबशबरज़ोरन। तपतिमिरा
रितेजताहीतेहरतचकोरचिंताअतिघोरन॥ रजनीमेंसो
सुभगश्यामताकरतप्रमत्तरसिकरसचोरन। हैशशिमौ
लिबस्तुजहँलौंजोशंकरकांतिबसीसबछोरन १५५ भ
जुभावसहितगिरिजागिरीश। जेहिपारनपावतअजअ
हीश॥ इतमुक्कामालनकोशृँगार। उतशंभुहृदयभुजगें
द्रहार॥ इतलसतबिमलबेंदीलिलार। उतराजिरहो
रजनीशशीश॥ इतदिब्यदुकूलनकोप्रकास। उतबाघ
म्बरतनतेजरास॥ इतबिबिधबधूटिनकोबिलास। उत
शंभुसभासदसुरमुनीश॥ जगजननिजनकअबिचलअ
भेद। जपिजाहिभजतबहुबिषमखेद॥ शशिमौलिसदा
जेहिबदतवेद। सोइशैलसुताईशानईश १५६ मनमानें
एकोनहिंमानी। वेदपुराणप्रबीणनकीसिखसपनेहुंनहिं
उरआनी॥ सुतपितुकुलकुटुम्बपुरजनकीआशकरतअ
ज्ञानी। जाकेहाथजीविकासबकीतेहिनभजतहितजानी॥
लोभमोहछलबलबिग्रहमहँसुधिबुधिरहतलुभानी। जा
सोंहोतहानिइनसबकीताकीभक्तिभुलानी॥ यहदेहीको
कौनभरोसोज्यौंऊसरकोपानी। भरतबिलातथोरहीदिन

मेंताहिअमरपहिंचानी ॥ अजहुंचेतकरुहेतहृदयबिच शंकरअवघड़दानी । जबशशिमौलिचौथपनऐहैकरिहै निपटगलानी १५७ शिवपुरबासकरनजोचाहैं। तोप्रभा तभानसपूजाबिधिबुधिनिर्मलनिरबाहै ॥ बैठारैबाघम्बर ऊपरपदप्रक्षालिलैजावै। अरघबहुरिमधुपर्कआचमनम ज्जनविमलकरावै ॥ बस्त्राभरणगन्धपुष्पाक्षतधूपदीपक रिदेवै।धरिनैवेद्यमध्यजलजलपुनिअँचवावनहितलेवै॥ पोंछिबदनबीराफलसंयुतधरैदक्षिणाआगे । करिकरदर्प णअरपैपुनितेहिछत्रव्यजनअनुरागै॥ नीराजनपैकर्मांक रिपुनिजपगुरुमंत्रसमरपै।यहिजगमेंशशिमौलिमिलैसु खअन्तसमयशंकरपै १५८ मनकरिहैकबलौंलरिकाई। बीतेबीसबर्षबारहकेतेहुंनचीन्हेसाई ॥ जन्मतहीगेभूलि जठरमहँजेजेपीड़ापाई । कौलकरारकियेजोताक्षणतेस बहीबिसराई ॥ ताहूपरदयालदानीशिवसगरेभूलभुला ई। मातुकुचनपालनपोषणहितक्षीरछांछअधिकाई ॥ क रिदियोतोहिंसकलसंधिनअरुप्रियप्राणनकीनाई । तब हुंतोहिंतापैपूरबकीएकौडरनसमाई ॥ जानअजानक्षमा करशंकरसुधिबुधिहियप्रकटाई। मातुपितापुरजनप्रीतम पुनिसगरीवस्तुचिन्हाई। कबहूंगोदकबहुंपालनपरकी न्ह्योसेजसुहाई ॥ इमिदीन्ह्योबिश्रामतिहूंपरमिटीनतु वकुटिलाई। करिकरुणाकृपालताहूपरतेरीआशपुराई॥ हेरनहँसनउठनअरुबैठनबोलनसुननासिखाई । लगो चलनडोलनधावनतबजोरथोवालअथाई ॥ गारीमा रुहासक्रीड़ारसउरपुरमेंसबछाई । करतलाजअपनोसिर

जेकीसिरजनहारसदाई॥ असनबसनबाहनबिद्याबुधिस कलसिद्धिसौंपाई । यहमतिमंदजुवाचोरीमेंकरतअमि तचतुराई ॥ सपन्योनामजपतनहिंशिवकोऔरकहौंक हँताई । अन्नपराशनमूड़नछेदनसबबातैंबनिआई ॥ अबशशिमौलिसुमिरुशिवकोजोयशफैलैसबठाई १५९ जगमेंधृगतेरीनिपुणाई। मिटीनबानिचरणचलतेजोचि तकीचंचलताई॥डाढ़ीमोछदियोकरतातोहिंबलबिद्याम नुसाई । शिवसुमिरणसंग्रामअवनिसोंभागेपीठिदिखा ई ॥ उद्यमकाजकरतराजनकीनानाबिधिस्यवकाई । गु रुपितुमातुमहेशउमापदकबहुंनप्रीतिलगाई ॥ भ्राता पितापुत्रपरिजनहितकरतफिरतठगहाई। जाकेहाथजी विकासबकीताकीसुधिबिसराई ॥ भरैउदरपोषैकायानि जकरिबहुकर्मकमाई। रक्षाकरैतासुजोतुवप्रभुतेहिनजप तलवलाई ॥ बाहनबसनधामधरणीधनसुखसंपतिसमु दाई। अंतसमयसंगीनहिंएकौआपअकेलेजाई॥तपती रथजपयोगयज्ञव्रतसंयमनेमदृढ़ाई॥ जोचहुसोकरिले यहिअवसरफिरिनाहिंचलीउपाई ॥ दानदयासंतोषक्ष माछबितेजप्रतापबड़ाई । भजिशिवकोशशिमौलिसुल भसबयुवाअवस्थापाई १६० हैबिषतेकछुबाढ़िबुढ़ापा।बा लकुमारयुवाबीतेभलचौथेपनप्रकटीतनतापा॥रदनबि हीनबदनबाँबीसमकहतबचनाबिषधरजनुव्यापा ।मणि अनमोलनामशंकरकोतेहिनप्रकाशितराखतझांपा॥क फघहरातखंखारतखांसतहेरतसुनिसबकोउरकांपा। आँ खिनआंशुबहतव्याकुलचित धरतनधीरजकरतबिला

पा॥ खालभुराइगईकेंचुलिसीकालमनोडेरानिजथापा।
श्वासलेतलहहैंजनुआवेंअबकछुभेदरहानहिंढांपा॥ हि
तकीकहतबातजोकोईपरतनसुनिसमुझतकुटिलापा।
तामसकरिकाँपतकटुवादीकाहूनिंदतकाहूशापा॥ इंद्रि
यशिथिलश्वेतशिरकेकचरँगपेरोभोअंगढुरापा। उठिन
हिंसकतनबलबैठनकोकरवटलेतबड़ीकठिनापा॥ सूभि
नपरतपुकारतपुनिपुनिप्यासनमरतदुसहदुखदापा। सु
तदारादुर्बचनसुनावतजसकीन्होतसभुगतोपापा॥ खा
टपरेपाछितातदिवसनिशिगिरोआइयमकिंकरछापा। प
रीगाढ़यमजातिकहीनहिंतदपिनमोहमयागयोचापा॥
रहोसमयनहिंयोगयतनकोनहिंतपतीरथसत्यप्रतापा।है
शशिमौलिमतोयाहीअबकरियनिरंतरशंकरजापा१६१
जसतुमकीन्हामोरउबार। तैसोकौनदूसरोस्वामीकरी
पतितउद्धार॥ संचितपापअनेकनताबशभरम्योंयोनि
अपार। चौरासीसोंकाढ़िमनुजतनदीन्ह्योम्वहिंकरि
प्यार॥ सोदीन्हीमिथ्यामैंखोईपरीयमनकीमार। दीन्हो
डारिनरकयोनिनमाफिरितुमलगेगुहारि॥ कर्मक्षेत्रक्षि
तिभरतखण्डमहँगृहकुलकीन्हबिचार। शुभनक्षत्रशुभ
जननिजठरमहँदीन्हमनुजअवतार॥ जठरआगिनिके
आँचबिकलमहँकीन्ह्योंकौलकरार। लेतरहेनवमास
खबरितुमादिखरायोसंसार॥ जन्मतहीगयोभूलिब्यथा
सबसिरज्योमायाजार। मोहलोभनिद्राआलसरसला
गोवढ़नबिकार॥ डसनमशकपटजीवकेशकृमिऔरस
कलदुखद्वार। जानअजानअबलसबहीसोंरहेमोररख

वार॥ रहैंजैसप्रारब्धतैसहीलगोहोनब्यवहार। ज्यों
ज्योंबढ़तबुद्धिबलबिक्रमत्योंत्योंहोतलवार॥सुवनसुप्रेम
भानिपितुमातानिशिदिनकरतदुलार। अतिहीखेलकूद
मेंतत्पररोदनहासबिगार॥ उतपालतपोषतपहिरावत
सबमिलिकरतशृँगार। इतमैंनिपुणजुआचोरीमेंसबसों
गारीमार॥बालापनइमिखेलिगवांयोतरुणीतरुणबिहा
र। वृद्धबैसकफबातपित्तकेतापरमोहअपार॥ रहीन
शक्तिउठनबैठनकीइन्द्रिनकीन्हजुहार। करियमानसंको
चशोचउरलागोखानपछार॥ नहिंजपयोगयज्ञतपतीर
थनहिंकछुनेमअचार।चौथेपनशशिमौलिसबनकोशंक
रनामअधार १६२ शिवपदपूरणप्रेमपगैंजो। पावैंपर
मारथमुनिमारगमनदृढ़लगनलगैंजो॥ करैंदृषासनकी
सेवानितनामनेहउमगैंजो। भरैंभवनभंडारसकलसुख
अभिमतभावमँगैंजो॥ भजैंभुजगभूषणकोंनिशिदि
नदूषणठगनठगैंजो। सजैंनसंगसुविद्याताकरअनुभ
वरंगरँगैंजो॥ जपतपतीरथएकनसाधेअजपायोगजगैं
जो। मिलहिंतुरतशशिमौलिउमापतिअघबिचपगनडु
गैंजो १६३ रेशठसुमिरुशंकरचरन। बर्षिबर्षासरससु
खजलजगदुसहदुखसंहरन॥लसतललितप्रकाशपगतल
तड़ितशोभाभरन।श्यामतापटपृष्ठकीपुनिनीलबारिदबर
न॥ मगनमुनिमनमोरगणकोदेखिदृगअसमरन।कोय
लापिकअनुमानसदगतिलगेकीरतिकरन॥ बीजबउशु
भकर्मसंतनक्षेत्रअन्तःकरन। भयोविवेकअंकुरसदलदु
इनेमअरुआचरन॥ शीलसतसंतोषशाखापुष्पप्रेमअ

नुसरन। भक्तिफलरसज्ञानसंयुतलागसोतरुफरन ॥ मु
क्तस्वादिकदेखिखगवततक्योसुरद्विजनरन। सकैपहुँचि
नरुकैअधबिचथकैसुधिबुधिपरन ॥ हैसुलभशशिमौलि
ताकहँकहतसबकुलतरन। द्रवतजापरसुजनरक्षकदेवस
रिशिरधरन १६४ भजुरेमनईशलोधौराको। कमलाका
रचरणताकेदोउदेचिन्हाइचितभौराको ॥ सुतबितकुल
कुटुम्बहितघरघरफिरतश्वानजिमिकौराको। तेसबनिज
स्वारथकेसाथीअन्तसमैसँगदौराको ॥अबलौंआंचएक
नहिंलागीलेउराखिपतिगौराको। बेगिंबचावपापपावक
सोंयहितनबोभपतौराको ॥ संसारीसुखअरुज्ञानीसोंबै
रब्यालअरुन्योराको। यहिसुखहितशशिमौलिफिरैंजन
वेषबनायेस्योराको १६५ भजुभैरवभूतपतीको। रहै
पापनएकरतीको ॥ उरसोहैमुंडनकोमाला। लसैअंगभु
जंगबिशाला ॥ धरिबेषबिकटबिकराला। गहेकरतोमर
शकतीको ॥ भुजआठप्रबलबलभारी। कियश्वानअसि
तअसवारी॥ शशिमौलिसुजनहितकारी। जैसोपतिपार
बतीको १६६ ॥

इतिश्रीशशिमौलिकृतशिवबिवाहसमाप्तम्॥

मुंशीनवलकिशोर (सी,आई,ई) के छापेख़ाने में छपी
दिसम्बर सन् १८८८ ई० ॥

